छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 121 बैकुंठपुर, रविवार 08 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

बिना बिजली, डीजल और पेट्रोल से होगी 100 एकड़ खेतों में सिंचाई

सरगुजा संभाग की पहली नवाचारी सिंचाई परियोजना का कार्य पूर्ण

- कांसाबेल ब्लॉक अंतर्गत पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना बनेगी सिंचाई की नई मिसाल
- मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण प्रस्तावित, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने किया प्रोजेक्ट का निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में नवाचार आधारित सिंचाई व्यवस्था को सशक्त करते हुए पोंगरो एनीकट हाईड्रो पावर आधारित पम्पिंग योजना अब पूर्ण हो चुकी है। सरगुजा संभाग की यह पहली योजना विकासखंड कांसाबेल के ग्राम पंचायत पोंगरो में घुघरी नदी पर निर्मित की गई है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूर्णत: शून्य कार्बन उत्सर्जन पर आधारित है। योजना में किसी भी प्रकार की पारंपरिक ऊर्जा जैसे बिजली, डीजल, पेट्रोल या सौर ऊर्जा का उपयोग नहीं किया गया है। केवल नदी के जल प्रवाह से उत्पन्न हाइड्रो पावर के माध्यम से टरबाइन चलाकर पानी का उद्वहन किया जा रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विगत दिवस इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निरीक्षण अध्यक्ष जिला पंचायत सालिक साय एवं कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा इसका लोकार्पण प्रस्तावित है।

इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के डॉ. पुनीत सिंह द्वारा तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रोजेक्ट के कार्य को तेजी से पूर्ण किया गया। यह योजना आधुनिक विज्ञान और स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। योजना अंतर्गत पूर्व निर्मित एनीकट से लगभग 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में प्लेटफॉर्म बनाकर एक टरबाइन पम्प स्थापित किया गया है। इस पम्प के माध्यम से नदी तल से लगभग 12 मीटर ऊंचाई तक तथा 200 मीटर दूर निर्मित वितरण टंकी में अधिकतम 17 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी भरा जाता है। इससे रबी एवं ग्रीष्म (जायद) फसलों के लिए निरंतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

इस अभिनव परियोजना से लगभग 100 एकड़ रबी एवं 40 एकड़ ग्रीष्मकालीन जायद फसल क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी, जिससे करीब 50 परिवार लाभान्वित होंगे। खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए पक्की सिंचाई नहरों एवं नालियों का निर्माण भी किया गया है, जिससे जल का समुचित वितरण सुनिश्चित हो सके। 2 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह योजना जिला प्रशासन जशपुर द्वारा जिला खनिज न्यास निधि, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) तथा जल संसाधन संभाग जशपुर के तकनीकी अभिसरण से पूर्ण की गई है।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने इसे किसानों के लिए दीर्घकालिक लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना भविष्य में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक मॉडल के रूप में कार्य करेगी। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित लोकार्पण के पश्चात यह परियोजना जशपुर जिले में सतत कृषि एवं हरित विकास की नई पहचान बनेगी।

अंतत: पुलिस ने बंदूक से गोली चलने की पुष्टि, आरोपित के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। देव होटल के पास हवाई फायर करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार की शाम को गोली चलने का मामला सामने आया था, लेकिन पटाखा फूटने जैसी आवाज आने की गोलमोल बातें कुछ लोग कर रहे थे, वहीं कुछ लोगों के द्वारा फायरिंग करने का दावा किया जा रहा था। शहर के हृदयस्थल से लगे होटल के पास फायरिंग की सूचना पर पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन फायरिंग करने की स्वीकारोक्ति तत्समय न तो आरोपी ने की और न ही उसके संपर्क सूत्रों से ही कुछ पता चल पाया। देर रात से लेकर दूसरे दिन तक होटल में पुलिस की मौजूदगी के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को हवाई फायर की पुष्टि की है, और आरोपित के विरूद्ध केस पंजीबद्ध किया है।

घटनाक्रम पर नजर डालें तो 06 फरवरी को पुलिस को देव होटल के पास एक व्यक्ति द्वारा बंदूक से हवाई फायर करने की सूचना प्राप्त हुई। मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में पुलिस टीम को तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की पूरी पड़ताल करते हुए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो एवं नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल के नेतृत्व में साइबर सेल, कोतवाली पुलिस एवं थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा देव होटल के पास पहुंची और आस-पास के दुकान संचालकों एवं उपस्थित लोगों से पूछताछ की तो सामने आया कि हनी सिंह के द्वारा मौके पर बंदुक से फायर किया गया है, जिससे आसपास के दुकानदारों एवं आम लोगों दहशत में थे। पुलिस ने अग्रिम पड़ताल करते हुए जब हनी सिंह सहित अन्य लोगों से पूछताछ किया तो शुक्रवार को देर शाम तक पटाखा फूटने जैसी आवाज आने की बातें हो रही थी। हालांकि यह बात पच नहीं रही थी, क्योंकि कुछ लोगों ने बंदूक से हवाई फायर करने के नजारे को देखा था। शहर के बीच हुई इस घटना के बाद सामने आ रही विरोधाभासी बातों की सत्यता को परखने के लिए घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों के साथ कोतवाली थाना प्रभारी शशिकान्त सिन्हा, गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी, साइबर पुलिस की टीम देर रात तक विवेचना कार्रवाई के लिए डटी थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का कहना है कि जांच और पूछताछ के बीच सामने आया था कि बनारस रोड में फार्चुनर वाहन से आ रहे हनी सिंह को कुछ कार सवारों ने ओवरटेक करने का प्रयास किया था।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले तीन विधि से संघर्षरत बालक निकले

अंबिकापुर। कलेक्टोरेट परिसर में स्थित इच्छापूर्ति दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में दान पेटी में जमा रकम चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा। इनके द्वारा जिज्ञासावश मंदिर परिसर में घुसने और दान पेटी में रखे रकम को चोरी करना स्वीकार किया। बता दें कि 04 फरवरी की दरम्यानी रात हनुमान मंदिर में कुछ विधि से संघर्षरत बालकों के द्वारा घुसकर दान पेटी से नकद रकम की चोरी कर ली गई थी। मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगालने पर तीन लोग नजर आ रहे थे, जो बिना किसी खौफ के दान पेटी में मिले रुपये को सहेजकर अंधेरे में निकल लिए थे। इनकी पहचान पुलिस हुलिये के आधार पर कर रही थी। प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा था। पूछताछ में विधि से संघर्षरत बालकों के द्वारा अज्ञानतावश मंदिर में घुसना एवं जिज्ञासावश दान पेटी को खोलकर देखना बताया गया। दान पेटी को खोलने पर कुछ नकदी रकम मिलने पर वे उक्त रकम को ले गए और खा-पीकर खर्च कर दिया। विधि से संघर्षरत बालकों के द्वारा की गई घटना में पुलिस बालकों की सामाजिक पृष्ठभूमि लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह, आरक्षक मनीष सिंह, उमाशंकर साहू, नितिन सिन्हा, विवेक राय, अतुल सिंह सक्रिय रहे।

नाव से डैम में गिरे ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत, साथियों ने निकाला था डेम से

अंबिकापुर। घुनघुट्टा डैम में मछली पकड़ने गया अधेड़ नाव पलटने से डूब गया, साथी उसे डैम से निकाल कर स्वजनों के साथ अस्पताल रवाना किए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कलगसा निवासी बिरूच राम पिता ठुरू राम 54 वर्ष, 5 फरवरी को सुबह करीब 5 बजे अपने दो अन्य साथियों रामसागर और ब्रह्मदेव के साथ घुनघुट्टा डैम में मछली पकड़ने के लिए गया था। तीनों अपने-अपने नाव में सवार होकर डैम में जाल लगाकर मछली फंसा रहे थे। करीब 7 बजे जाल में फंसी मछलियों को निकालने के दौरान बिरूच राम नाव से अनियंत्रित होकर डैम में गिर गया। अन्य नाव में सवार होकर मछली पकड़ रहे ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी और वे उसे बचाने के लिए आगे बढ़े।

क्रिकेट देश-विदेश में खिलाने का झांसा देकर 15.38 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

अंबिकापुर। क्रिकेट संघ के माध्यम से देश-विदेश में खिलाने की बात कहकर 15 लाख 38 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के निर्देशन में साइबर सेल एवं थाना कोतवाली पुलिस टीम को 4-5 साल पुराने मामले में आरोपी को कब्जे में लेने में सफलता मिली। आरोपी फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के जरिए ठगी की घटना को अंजाम दिया था। उप्र के हरदोई जिला अंतर्गत पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम शेखवापुर निवासी क्रिकेट खिलाड़ी अजय कुमार वर्मा ने पुलिस को बताया था कि 14 मार्च 2021 को वह नेपाल में क्रिकेट टूर्नामेन्ट खेलने गया था। यहां उसकी मुलाकात मृगांक कुमार सिन्हा निवासी त्रिकोण चौक अंबिकापुर से हुई, जो उसे अपने क्रिकेट संघ की तरफ से देश-विदेश के टूर्नामेंटों में क्रिकेट खिलाने की बात कहकर मोबाईल नंबर ले लिया। नेपाल से वापस आने के करीब 10 दिन मृगांक कुमार सिन्हा उसे फोन करके क्रिकेट संघ में रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर 1480 रुपये जमा कराया। इसके बाद अन्य रजिस्ट्रेशन व पासपोर्ट हेतु 4460 रुपये व 1500 रुपये नकद जमा कराया। अजय कुमार वर्मा के मोबाइल पर टीम में सलेक्शन व विदेशी दौरे के लिए चुनी गई टीम के कूटरचित दस्तावेज आरोपी भेजता रहा, और लगातार पेटीएम, गुगल पे, फोन पे पर रुपये जमा कराता रहा। आरोपी मृगांक यह आश्वासन देते रहा कि उसका सारा रुपये वापस कर दिया जाएगा। अजय वर्मा से लगभग 12 लाख रुपये जमा करवाने के बाद 11 जून को आरोपी छत्तीसगढ़ बुलाया और यहां भी रुपये जमा करवाया, लेकिन उसे कहीं भी क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट पर पुलिस ने थाना कोतवाली में धारा 420, 467, 468, 471 भा.द.वि. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। जांच विवेचना के बीच पुलिस टीम आरोपी के तलाश में लगी थी, जो अपने ठिकाने से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस जब आरोपी के द्वारा प्रार्थी अजय वर्मा को छत्तीसगढ़ यूथ यूनाइटेड क्रिकेट संघ इस्पात क्लब भिलाई सेक्टर-6 का क्रिकेट खेलने के लिए विदेश दौरे की सूची की जानकारी संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण रायपुर से ली तो उक्त संस्था के संबंध में मान्यता नहीं होने की जानकारी प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी मृगांक सिन्हा पिता सुनील सिन्हा 40 वर्ष निवासी त्रिकोण चौक पहुना दुकान के पास अंबिकापुर को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की तो उसने फर्जी दस्तावेज स्वयं तैयार करके ठगी करना स्वीकार किया।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत कोरिया जिले के 100 विद्यार्थियों का एकदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, रायपुर द्वारा संचालित एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत कोरिया जिले के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु एकदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

इस भ्रमण में जिले के सेजेस खरवत, सेजेस महलपारा, सेजेस चरचा, माध्यमिक शाला ओड़गी एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिशुनपुर के मिडिल एवं सेकेंडरी स्तर के कुल 100 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला

शिक्षा अधिकारी तथा स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक के निर्देशन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों को प्रात: 9 बजे सेजेस खरवत से आवश्यक दिशा-निर्देश एवं शुभकामनाओं के साथ भ्रमण हेतु रवाना किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने एशिया के सबसे बड़े गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क, मनेंद्रगढ़ का अवलोकन किया। यह पार्क हसदेव नदी के तट पर लगभग एक किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है, जहां लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जीवों के जीवाश्म चट्टानों एवं बोल्डरों में संरक्षित हैं। यह पार्क राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक के रूप में अधिसूचित है।

पार्क स्थित जुरासिक रॉक गार्डन एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर में विद्यार्थियों को भूगर्भीय इतिहास, जीवाश्म विज्ञान, पृथ्वी की उत्पत्ति एवं पृथ्वी पर जीवन के विकास से संबंधित जानकारी वैज्ञानिक एवं दृश्य माध्यमों से प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने चिरमिरी पोड़ी स्थित जगन्नाथ मंदिर के दर्शन भी किए। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए विज्ञान एवं इतिहास को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का एक ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी अवसर सिद्ध हुआ।

धान उठाव अभियान ने पकड़ी रफ्तार, उपार्जन केंद्रों से 202220.00 क्विंटल धान का सुरक्षित उठाव पूर्ण

धान उठाव कार्य में 23.05 प्रतिशत प्रगति, प्रशासनिक व्यवस्था साबित हुई मजबूत

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में किसानों से उपार्जित धान के उठाव कार्य को प्रशासन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन की सुव्यवस्थित कार्ययोजना, विभागीय समन्वय और सतत निगरानी के चलते उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। सुरक्षित, सुचारु और समयबद्ध परिवहन व्यवस्था के कारण न केवल उपार्जन केंद्रों पर अव्यवस्था की स्थिति नहीं बन रही है, बल्कि

किसानों को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 877290.60 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है, जिसमें से अब तक 202220.00 क्विंटल धान का उठाव पूर्ण किया जा चुका है। यह कुल उपार्जित धान का 23.05 प्रतिशत है, जो जिले में उठाव कार्य की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। निर्धारित परिवहन व्यवस्था के तहत धान को सीधे मिलरों तक भेजा जा रहा है, जिससे भंडारण व्यवस्था संतुलित बनी हुई है और उपार्जन केंद्रों पर दबाव नहीं बढ़ रहा है।

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उठाव कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है और जहां उठाव की गति अपेक्षाकृत कम है, वहां अतिरिक्त परिवहन संसाधन, ट्रक और श्रमिकों की व्यवस्था कर कार्य में तेजी लाई जा रही है। प्रशासन का स्पष्ट लक्ष्य है कि शेष धान का भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर उठाव सुनिश्चित किया जाए, जिससे किसानों का विश्वास बना रहे और खरीदी व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी एवं सुचारु बनी रहे।

पीजी कॉलेज की प्राध्यापिका रश्मित कौर को पी.एच.डी. की उपाधि

अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर के वाणिज्य संकाय में कार्यरत नियमित प्राध्यापिका रश्मित कौर को डॉ. सी.वी. रमन विश्व विद्यालय से वाणिज्य विषय में पीएच.डी. (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त हुई है। इस शैक्षणिक उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार, शैक्षणिक जगत में हर्ष का माहौल है। श्रीमती रश्मित कौर प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कक्षा 12वीं में विद्यालय में टॉपर रहीं। उन्होंने स्नातक स्तर की पढ़ाई गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से पूर्ण की, जहां वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

नवसंकल्प की सफलता: जशपुर के 12 युवाओं का अर्धसैनिक बलों में चयन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में संचालित नव संकल्प शिक्षण संस्थान ने एक बार फिर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वर्ष 2025 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित कांस्टेबल जनरल ड्यूटी (एसएससी जीडी) परीक्षा के माध्यम से संस्थान के कुल 12 छात्र-छात्राओं का चयन विभिन्न अर्धसैनिक बलों में हुआ है। संस्थान की प्राचार्य सुश्री दुर्गेश्वरी सिंह ने बताया कि एसएससी जीडी की लिखित परीक्षा फरवरी-मार्च 2025 में आयोजित की गई थी, जिसमें नव संकल्प शिक्षण संस्थान के 36 छात्र सफल हुए थे। इसके पश्चात शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं मेडिकल परीक्षण नवंबर-दिसंबर 2025 में सम्पन्न हुए। सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद हाल ही में घोषित अंतिम परिणाम में संस्थान के कुल एक दर्जन विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की। चयनित विद्यार्थियों में 5 का चयन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), 3 का केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), 2 का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), 1 का भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) तथा 1 का सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में बालेश्वर नाग, नोवेल टोप्पो, सोंकेश्वर प्रधान, नेहरू लाल एवं अरुण कुमार पैकरा का चयन सीआईएसएफ में हुआ है। ब्रिन्देश्वर एवं सृष्टि तिर्की बीएसएफ में चयनित हुए हैं। वहीं रोहित केरकेट्टा, अरविंद केरकेट्टा एवं सुरेन्द्र राम का चयन सीआरपीएफ में हुआ है। देव प्रसाद नाग का चयन एसएसबी तथा चन्दन कालो का चयन आईटीबीपी में हुआ है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में भी नव संकल्प शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों का चयन देश के विभिन्न सुरक्षा बलों में हुआ है। वर्ष 2025 में ही संस्थान के 125 विद्यार्थियों का चयन होमगार्ड्स, जिला पुलिस बल एवं केन्द्रीय पुलिस बलों में हुआ है। पहले जशपुर जैसे सुदूर जिले के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था।

सोहागपुर में कृषक के घर चोरी, नगदी समेत साढ़े तीन लाख के जेवरात ले उड़े चोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सोहागपुर में दिनदहाड़े हुई बड़ी चोरी की वारदात ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। अज्ञात चोरों ने एक कृषक के सूने घर को अपना निशाना बनाते हुए नगदी सहित लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया है। ग्राम पंचायत सोहागपुर निवासी पीड़ित कृषक 45 वर्षीय नरेश कुमार रैकवार पिता गिरधारी लाल ने पुलिस को बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ रहता है। मकान के पिछले हिस्से में उसके माता-पिता रहते हैं, जबकि सामने के हिस्से में वह स्वयं निवास करता है। 5 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे नरेश कुमार किसी जरूरी निजी काम से बिश्रामपुर गया

हुआ था। घर को बाहर से ताला लगाकर वह निश्चिंत होकर चला गया, लेकिन इसी दौरान अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से घर में सेंध लगा दी। रात करीब 8 बजे जब नरेश कुमार घर लौटा तो सामने का दृश्य देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर का मुख्य दरवाजा खुला पड़ा था और भीतर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। पलंग के नीचे रखी लोहे की पेटी गायब थी। उस पेटी में परिवार की वर्षों की जमा-पूंजी रखी थी। अज्ञात चोरों ने पेटी में रखे डेढ़ तोला सोने की चैन, एक जोड़ी चांदी की पायल, चार नग चांदी की बिछिया, तीन चांदी के सिक्के, 40 हजार रुपए नगद, बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट से जुड़े अहम दस्तावेज और चेकबुक चोरी कर लिए हैं।पीड़ित के अनुसार चोरी गए सामान और नगदी की कुल कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। चोरी की इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है। घटना की जानकारी परिजनों से साझा करने के बाद नरेश कुमार ने करंजी पुलिस चौकी पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही करंजी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

बिश्रामपुर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 334 (4) एवं 305 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही संदिग्धों की पहचान कर चोरी गए माल की बरामदगी की जाएगी। आसपास के गांवों में सक्रिय संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना के बाद सोहागपुर सहित आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

शिवनंदनपुर में विद्युत केबल जलने से घंटों छाया रहा अंधेरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के वार्ड क्रमांक 2 स्थित फौजी गली शुक्रवार की रात से अंधेरे में डूबी हुई है। विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में रात करीब 8 बजे अचानक 11 केवी लाइन का केबल शॉट होने से पूरी बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली गुल होने से घरों में लगे पंखे, कूलर, टीवी और अन्य आवश्यक उपकरण बंद हो गए।बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। बिजली बाधित रहने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई, वहीं दुकानदारों और घरेलू व्यवसाय से जुड़े लोगों का काम ठप पड़ गया।

विद्युत विभाग के अनुसार 11 केवी केबल में तकनीकी खराबी आने के कारण सप्लाई बंद हुई है। सूचना मिलते ही विद्युत वितरण केंद्र बिश्रामपुर का अमला मौके पर पहुंच सुधार कार्य में जुटा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि केबल क्षतिग्रस्त होने के

कारण मरम्मत में समय लग रहा है, लेकिन टीम लगातार प्रयासरत है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहां पहले भी कई बार विद्युत फाल्ट की समस्या सामने आ चुकी है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। नागरिकों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि अस्थायी मरम्मत के बजाय पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा न हो। शनिवार को मरम्मत कार्य पूर्ण कर यहां पर शाम को बिजली व्यवस्था बहाल करा दी गई है।

पीएम श्री सेजेस विद्यालय में बैगलेस डे का किया गया आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में आज बैगलेस डे के अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न रचनात्मक एवं गतिविधि-आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। बैगलेस डे अंतर्गत विद्यार्थियों ने खेलकूद, कला एवं हस्तकला, समूह गतिविधियां, शैक्षणिक खेल, गीत-कविता तथा अन्य आनंददायक गतिविधियों में भाग लिया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को बिना पुस्तकों के तनाव के सीखने को आनंदमय और रोचक बनाना था।

स्पांसरशिप योजना से 403 बच्चों को मिला लाभ

गरियाबंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित स्पांसरशिप योजना के अंतर्गत जिले के विशेष देखरेख वाले बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है। कलेक्टर बीएस उईके के दिशा-निर्देश एवं अध्यक्षता में यह कार्यवाही की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी समीर सौरभ के मार्गदर्शन एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के नेतृत्व में स्पांसरशिप समिति एवं बाल कल्याण समिति के सदस्यों के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की गई।

समिति एवं टीम द्वारा सामाजिक जांच एवं आवश्यक दस्तावेजों के संग्रहण के पश्चात पात्र बच्चों का चयन किया गया। राज्य बाल संरक्षण समिति, संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर से स्पांसरशिप योजना अंतर्गत प्राप्त कुल 38 लाख 36 हजार रुपये की आबंटित राशि से जिले के 403 विशेष देखरेख वाले बच्चों को प्रतिमाह 4,000 रुपये की दर से सहायता राशि प्रदान की जा रही है। यह राशि बच्चों के शिक्षा, कौशल विकास एवं बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उनके खातों में सीधे हस्तांतरित की गई है। योजना का लाभ केवल उन्हीं बच्चों को दिया जा रहा है जो नियमित रूप से स्कूल अथवा आंगनबाड़ी में अध्ययनरत हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिक्षा विभाग एवं संबंधित परियोजनाओं को सभी लाभार्थी बच्चों की सूची पते सहित प्रेषित की गई है।

प्राचार्यों एवं शिक्षकों से अपेक्षा की गई है कि बच्चों के खातों में हस्तांतरित की गई राशि का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। यह राशि बच्चों की पढ़ाई, कॉपी-किताब, शुल्क, स्वास्थ्य, पोषण, आवश्यक कपड़े एवं अन्य बुनियादी जरूरतों पर खर्च की जाए। साथ ही बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्राम तरसीवां में आंगनबाड़ी भवन का रंजना साहू के मुख्य आतिथ्य में हुआ लोकार्पण

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम पंचायत तरसीवां में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 01 के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू रहीं। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच झमित उमेश साहू ने किया। लोकार्पण उपरांत नवीन भवन को देखकर आंगनवाड़ी में अध्ययनरत नन्हे-मुन्ने बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। बच्चों के लिए सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त भवन मिलने से ग्रामीणों में भी हर्ष है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के जीवन की पहली पाठशाला होते हैं, यहीं से उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की नींव पड़ती है। राज्य की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए बेहतर भवन और सुविधाएं उपलब्ध कराना बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। रंजना साहू ने आगे कहा कि नवीन भवन में बच्चों को स्वच्छ वातावरण, सुरक्षित स्थान और सीखने के बेहतर अवसर मिलेंगे, यह केंद्र माताओं और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रंजना साहू ने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम में केशव राम साहू, अजब नेताम, दीपेश्वरी साहू, सुरेंद्र चंद्राकर, भुनेश्वर साहू, कु. काजल साहू, कमला निषाद, रश्मि साहू, विमला साहू, सरस्वती साहू, सावित्री साहू, बिंदिया यादव, राधा साहू, माया साहू, लखन कुमार सिदार, सुखदेव राम पटेल एवं गोविंद ओझा सहित जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए ट्रांसमिशन आंकलन सर्वेक्षण सर्वे

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार और मुय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एल.कौशिक के मार्गदर्शन में जिले को फाइलेरिया उन्मूलन के लिए ट्रांसमिशन आंकलन सर्वेक्षण (टीएएस-3) सर्वे कराया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. कौशिक ने बताया कि इसमें शासकीय एवं निजी कुल 91 स्कूलों के पहली और दूसरी कक्षा के (6 से 7) वर्ष के 1552 बच्चों का रक्त लेकर फाइलेरिया टेस्ट स्ट्रीप कीट एवं माध्यम जांच किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चिन्हांकित ग्रामों नगरी के 33, मगरलोड के 15, कुरूद के 21, धमतरी (गुजरा) के 15 एवं शहर क्षेत्र के 7 स्कूल शामिल हैं। डॉ. कौशिक ने यह भी बताया कि पूर्व में विभाग द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन सर्वे (टीएएस-1 एवं टीएएस-2) पास कर चुका है तथा छत्तीसगढ़ के मात्र , तीन जिले जिसमें फाइलेरिया सर्वे गतिविधि किया जा रहा है, उसमें धमतरी जिला शामिल है। यह गतिविधियां जिला नोडल अधिकारी डॉ.आदित्य सिन्हा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रिया कंवर, जिला व्हीबीडी सलाहकार सस्मिता पट्नायक, चिरायु आरबीएसके टीम एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। फाइलेरिया के लक्षण - हाथ या पांव में सूजन, हाथीपांव, हाइड्रोसील फाइलेरिया से बचाव -डीईसी की गोली चिकित्सक की परामर्श उपरांत, मच्छरदानी का उपयोग और अपने घर के आसपास स्वच्छता रखना, पानी का जमा नहीं होने देना।

कार्यालय कार्यपालनअभियंता

लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

E-mail: eebairam-phe-cg@nic.in

निविदा क्र. / 14 / ले.शा. / ज.जी.मि. / का.अ. / लो.स्वा.यां.वि. / 2026 बलरामपुर, दिनांक 03.02.2026

ऑनलाईन प्रथम निविदा आमंत्रण

Risk & Cost

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म "अ" में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है।

सि. नि. क्र.	ग्राम का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. में)
183701	बरहीबांस, हरीगवॉ	316.99
184935	गीरजापुर	40.38
184936	बघीमा, चरगढ़	204.08
184940	धंधापुर	177.85
184941	कुन्दी	61.81
184942	नटवरनगर, नवाडीह खुर्द	191.21
184945	दर्रीडीह	3.31
184947	पहरी	32.22

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑनलाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.02.2026 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 27.02. 2026 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जायेंगे। अतः निविदाकार ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

जी-252606528/1

बोर्ड परीक्षाओं के लिए कार्ययोजना बनाकर परीक्षा परिणामों को बेहतर करने की दिशा में मिशन मोड में करें कार्य : कलेक्टर

राजनांदगांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड की परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बच्चों को अध्ययन एवं परीक्षा परिणाम बेहतर करने के लिए विशेष तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी प्राचार्य कार्ययोजना बनाकर परीक्षा परिणामों को बेहतर करने की दिशा में मिशन मोड में कार्य करें। उन्होंने कहा कि बच्चे जिन विषयों में कमजोर है, उन विषयों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत है। कलेक्टर ने संस्थावार बच्चों के अध्ययन की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे जो पढ़ाई में कमजोर है,उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर पढ़ाई कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विशेष विशेषज्ञों के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई कराने के लिए कहा। उन्होंने प्री बोर्ड में बच्चों के परिणाम बेहतर नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की तथा ऐसे स्कूल जहां बच्चों का परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं था, वहां प्राचार्यों को कारण बताओ जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने समीक्षा के दौरान छुरिया एवं डोंगरगांव के कक्षा 10वीं के परिणाम के खराब रहने पर हायर सेकेण्डरी स्कूल चांदो, बखरूटोला, रामतराई एवं हालेकोसा के प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डोंगरगांव विकासखंड के भी कमजोर परिणाम वाले शालाओं रूदगांव बालक डोंगरगांव एवं बाकल के प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया। कक्षा 12वीं के परिणाम में संतोषजनक कारण नहीं मिलने पर छुरिया विकासखंड के संस्थानों पर कार्रवाई के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में डोंगरगांव विकासखंड के मोहड़ बालक डोंगरगांव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। डोंगरगढ़ विकासखंड के कमजोर परिणाम वाले शालाओं को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिसमें मुख्य रूप से बालिका डोंगरगढ़, बिल्हरी, ढारा, पारागांव खुर्द, मडियान स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पारागांव खुर्द के लिए नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित प्राचार्य को नोटिस जारी करने निर्देशित किया। खराब परिणाम को लेकर राजनांदगांव विकासखंड के स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए कहा। जिसमें सोमनी, स्टेट हाई स्कूल, महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंडरी स्कूल, डॉ. बल्देव प्रसाद हायर सेकेंडरी स्कूल, बोरी, कन्हारपुरी, डिलापहरी स्कूलों के संस्था प्रमुखों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुसुरूचि सिंह ने कहा कि पढ़ाई में कमजोर बच्चों के परीक्षा परिणाम को बेहतर करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों की सेवाएं लें। बोर्ड परीक्षा के शेष दिनों में अतिरिक्त कक्षा लें। ओआईसी विश्वास कुमार ने सभी से जोन कोचिंग एवं आवासीय कोचिंग में बच्चों को भेजने तथा उसके साथ-साथ पालकों को भी प्रेरित करने के लिए कहा। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने बताया कि कमजोर बच्चों के लिए जिले में 22 जोन बनाकर पढ़ाई में कमजोर बच्चों तथा प्री बोर्ड परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले बच्चों को उत्तीर्ण करने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं 31 जनवरी से प्रारंभ की जाएगी। साथ ही 2 फरवरी से जिले के बरगा प्रशिक्षण केंद्र में टॉपर्स 100 बच्चों के लिए आवासीय कोचिंग की शुरूआत की जा रही है। जिससे जिले के मेधावी बच्चों को राज्य की प्रावीण्य सूची में उचित स्थान प्राप्त हो सके जिससे जिले का भी सम्मान बोर्ड परिणाम में बेहतर हो सके इसकी जानकारी दी। उसके अतिरिक्त शिक्षक उपस्थिति रजिस्ट्रेशन के लिए सभी संस्था प्रमुखों को आग्रह किया गया कि तत्काल सभी शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन पूर्ण करवाकर एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रारंभ करें। साथ ही उनके द्वारा कमजोर परिणाम वाले शालाओं में अतिरिक्त समय इन 20 दिनों में देखकर परिणाम को बेहतर करने एवं मेधावी बच्चों की अधिक से अधिक संख्या पर कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सभी से अपेक्षा जाहिर करते हुए कहा कि इस सत्र में जिले का बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर हो सके इसके लिए प्रत्येक स्तर पर शिक्षकों एवं संस्था प्रमुखों को प्रयास करने की आवश्यकता है। जोन कोचिंग, आवासीय कोचिंग को लेकर निश्चिंत कार्य योजना के साथ कार्य करने के लिए कहा। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं प्राचार्य उपस्थित थे।

कबीरधाम पुलिस ने अंधे कत्ल का किया खुलासा

कवर्धा, छ.ग. फ्रंटलाइन। थाना लोहारा, जिला कबीरधाम अंतर्गत ग्राम पैलपार में 27 जनवरी 2026 को खेत के कुएं में एक युवक का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मामला पूरी तरह अंधे कत्ल का प्रतीत हो रहा था, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के सतत मार्गदर्शन और सख्त निर्देशों पर कबीरधाम पुलिस ने लगातार दबिश, तकनीकी साक्ष्य और गहन पूछताछ के जरिए मात्र 48 घंटे के भीतर इस जघन्य हत्याकांड से पर्दा उठा दिया गया। इस गंभीर मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) द्वारा तत्काल निर्देश दिए गए, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन एवं डीएसपी आशीष शुक्ला के पर्यवेक्षण में जांच को तेज गति दी गई। 27.01.2026 को सुमित जैन के खेत स्थित कुएं में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकलवाकर पहचान कराई गई, जिसकी पहचान किशन उर्फ पाव वर्मा, उम्र 25 वर्ष, निवासी ढेकापुर के रूप में हुई। शव की स्थिति और बंधे हुए ईंट-कांक्रीट लगे पत्थर से प्रथम दृष्टया स्पष्ट हो गया कि हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को कुएं में फेंका गया है। इस पर थाना लोहारा में अपराध क्रमांक 07/2026 धारा 103(1), 238(बी) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीम बनाकर जांच शुरू की। मृतक की गतिविधियों, संपर्कों और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए संदिग्धों को हिरासत में लेकर लगातार पूछताछ की गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि दिनांक 05.01.2026 को थान खम्हरिया स्थित शराब भट्ठी के पास चखना दुकान के समीप मृतक किशन वर्मा को अकेला देखकर हत्या की योजना बनाई गई। पहले उसी स्थान पर हाथ-मुक्कों और लातों से मारपीट की गई, फिर राम धुर्वे द्वारा चाकू से वार किया गया, जिससे मृतक बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। इसके बाद उसे देवेन्द्र कुंभकार की मोटरसाइकिल क्रमांक ष्ट्त-07-क्क्क्-8064 में बैठाकर पैलपार मुक्तिधाम के पास ले जाया गया। मुक्तिधाम के समीप सुनसान स्थान पर प्रकाश धुर्वे द्वारा लाए गए लकड़ी के बत्ते से सभी आरोपियों ने बारी-बारी से मृतक पर प्राणघातक हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हत्या के बाद शव को सुमित जैन के खेत स्थित कुएं तक घसीटकर ले जाया गया, जहां ईंट-कांक्रीट लगे भारी पत्थर को रस्सी से बांधकर शव के साथ कुएं में फेंक दिया गया ताकि पहचान न हो सके और अपराध छुपाया जा सके। पुलिस द्वारा आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर पूरी घटना का रिक्रिएशन कराया गया, जहां यह स्पष्ट हुआ कि हत्या कहां की गई और शव को कहां व किस तरह कुएं में फेंका गया। पूछताछ के आधार पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का बत्ता, चाकू, मोटरसाइकिल एवं रस्सी जप्त की गई।

जिला प्रशासन द्वारा सिरपुर महोत्सव में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आवागमन हेतु बस की सुविधा

महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। सिरपुर महोत्सव में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आवागमन की विशेष व्यवस्था की जा रही है। महोत्सव अवधि के दौरान रायपुर रेलवे स्टेशन से कुहरी मोड़ तक तथा महासमुंद बस स्टैंड एवं जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों से सिरपुर तक बसों का प्रबंध किया गया है। निर्धारित रूटों पर बसें नियमित अंतराल में संचालित होंगी, जिससे अधिक से अधिक लोग महोत्सव के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों में सहभागी बन सकें।

तीन दिवसीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ।जूनियर वर्ग में 453 बालक बालिकाओं तथा सिनीयर वर्ग में 513 महिला पुरुष प्रतिभागियों ने सरगुजा ओलंपिक के विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह के हाथों विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर समापन समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह ने कहा कि हमारी सरकार खेलों को बढ़ावा देने लगातार इस प्रकार के आयोजन कराकर खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर दे रही है।आज बस्तर ओलंपिक की चर्चा पूरे देश भर में होती है और उसी के तर्ज पर सरगुजा ओलंपिक का आयोजन निश्चित ही हमारे युवा खिलाड़ियों को एक अच्छा मंच देकर उनके अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करता है।हमारी केंद्र की सरकार द्वारा भी खेलो इंडिया के माध्यम से युवाओं को खेल के क्षेत्र में अवसर दिया जा रहा है। खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए विधायक श्री सिंह ने कहा कि विकासखण्ड से आज जो खिलाड़ी विजेता रहे हैं वे जिला स्तर पर खेलने जाएंगे वे

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता तक जरूर जाएंगे और अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराएंगे। इस सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में 17 प्रकार के व्यक्तिगत व दलीय खेल कराए गए। जिनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, कुस्ती, कराटे, फुटबॉल,हाकी, कबड्डी,खो खो,बालीबाल, रस्साकसी बास्केटबॉल, रिले रेस, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक, लंबी कूद, ऊंची कूद, लंबी कूद, दौड़ 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर आदि शामिल हैं। समापन समारोह में जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजलाल राजवाड़े, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह अनिल साहू, महामंत्री सौभाग्य दुबे सुमित साहू, जनपद सदस्यद्वय मानिकचंद्र सिंह, कलेश्वरी सुंदर लाल सिंह, प्रदीप झा, संजीव गुप्ता, हेमदास मिश्रा, श्याम सुंदर राजवाड़े, छत्रपाल सिंह सरपंच राम सिंह, एसडीएम अजय मोडियम, जनपद सीईओ संजय राय, बीईओ डी एस लकड़ा, बीपीओ रविनाथ तिवारी, बीआरसी मनोज जायसवाल, बीपीओ अंजना कुजूर आदि जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण मंचासिन रहे। वहीं उत्तम सिंह,लुकेश्वर सिंह दिलीप शर्मा,विद्या जायसवाल, अजीत केरकेट्टा, सेलिना मिंज, सुखलाल यदु, यशवंत पटेल, नवीन राठौर, विनय चौरसिया, मनोज प्रजापति, बंशगोपाल सिंह, विजया सिंह, पूजा सिंह, अनिता कंवर, श्रीकांत पांडेय, मानवेल टोप्पो, बिहारी साहू अजय यादव, अनुज पैकरा, संजय राजवाड़े, दिवान पैकरा, रामदयाल सिंह आदि कर्मचारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्राम मंगारी में लगा पशु कल्याण पखवाड़ा शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। ग्राम मंगारी, विकासखंड बतौली, जिला सरगुजा में पशु कल्याण पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं।इस शिविर मे 1 गाय का कृत्रिम गभार्धान, 2 बछवों का बधियाकरण, 1 कुत्ते का एंटी रेबीज टीकाकरण, 4 पशुओं का उपचार, 150 मुर्गियों को औषधि वितरण किया गया। शिविर में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति में ग्राम सरपंच पारस राम पैंकरा, जनपद सदस्य अनिल पैंकरा, ग्राम पटेल बबन सिंह थे। पशु चिकित्सा दल में डॉ बीडी साहू, पशु चिकित्सालय प्रभारी संजय मिश्रा, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी राजेश सिंह, बुधन, रवि प्रकाश, करन साय थे।इस दौरान सहादन, उमेश पैंकरा, सुखन दास आदि सहित ग्रामीण का सहयोग प्राप्त हुआ।

शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन, 9 से 16 फरवरी तक होंगे विविध धार्मिक कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। महादेव सेवा समिति सोनहत, जिला कोरिया (छ.ग.) के तत्वावधान में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 09 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। कार्यक्रम स्थल स्टेडियम ग्राउंड, सोनहत निर्धारित किया गया है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए शिवभक्ति से ओतप्रोत वातावरण रहेगा। आयोजन में प्रतिदिन दोपहर 02 बजे से सायं 06 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा का वाचन होगा। कथा वाचक के रूप में आचार्य विनयकान्त त्रिपाठी (श्रीधाम

वृन्दावन) अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को शिव भक्ति, धर्म और संस्कृति का संदेश देंगे।कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न तिथियों में कलश यात्रा, महात्म्य कथा, शिवलिंग पूजन, शिवनेत्र रुद्राक्ष महिमा, नंदीश्वर अवतार, हनुमान जन्मोत्सव, गणेश जन्मोत्सव, शिवझपार्वती विवाह महोत्सव, द्वादश ज्योतिर्लिंग महोत्सव, पार्थिव शिवलिंग पूजन, देवी चरित्र, हवन एवं पूणार्हुति जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजन में माननीय श्रीमती रेणुका सिंह (विधायक, भरतपुर-सोनहत एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार) विशेष रूप से शामिल होंगी। प्रतिदिन रात्रि में भंडारा एवं प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई है। आयोजक समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। सूरजपुर जिले के शासकीय महाविद्यालय रामानुजनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह आज ग्राम पंचायत पतरापाली में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य अनिता सिंह, सरपंच परबतिया सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य पुनीत विजय टोप्पो, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के प्राचार्य हेमसाय सिंह, माध्यमिक शाला के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार यादव, शिक्षक योगेश साहू, संजय साहू सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों एवं विद्यालय के

विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनकी उपस्थित अतिथियों ने सराहना की।मुख्य अतिथि अनिता सिंह ने अपने उद्बोधन में एनएसएस की थीम नशा मुक्त भारत एवं युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने में युवाओं की अहम जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि यदि हम स्वयं नशे से दूरी बनाएं और शराब न खरीदने का संकल्प लें, तो समाज स्वतः ही सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगा।महाविद्यालय के प्राचार्य पुनीत विजय टोप्पो ने युवाओं को मोबाइल की लत से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि आज का सबसे बड़ा नशा मोबाइल है, जो धीरे-धीरे युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने संतुलित उपयोग और अनुशासन पर बल दिया। मुख्य वक्ता के रूप में थाना रामानुजनगर के प्रधान आरक्षक रामजतन सिंह ने यातायात जागरूकता पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों, ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट एवं हेलमेट के उपयोग के लाभों पर विस्तार से जानकारी दी और नियमों की अनदेखी से होने वाले दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. उत्तम प्रकाश ने किया। उन्होंने बताया कि सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता, सामाजिक सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात जागरूकता सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग के लिए विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा एनएसएस स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।इसके पश्चात कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया।

तार फैक्ट्री में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड को बुझाने में लगे 3 घंटे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। इंडस्ट्रियल एरिया उरला में कावेरी इंडस्ट्री के तार फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, आग दोपहर में लगी। अचानक लगी भीषण आग से फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भीषण है कि इंडस्ट्रियल एरिया में हर तरफ-धुंआ ही दिखाई दे रहा है। फायर ब्रिगेड़ की टीम मौके पर मौजूद पर आग पर काबू नहीं पाया गया है। आग ने फैक्ट्री के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी भीषण है कि कई किलोमीटर केवल केवल धुंआ ही दिखाई दे रहा है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र की है। आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने की कोशिश कर रही है। जानकारी के अनुसार, आग बुझाने के लिए अभी तक 4 टंकियों का पानी खत्म हो गया है लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया है। इंडस्ट्रियल एरिया में पानी का शॉर्टेज होने के बार फायर ब्रिगेड की टीम को मुश्किल हो रही है। आग किस कारण से लगी फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो सका है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री परिसर से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ उसके थोड़ी देर बाद ही आग की लपटें बाहर आने लगी और फैक्ट्री के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में बिजली के तार के अलावा केमिकल, ऑयल और ज्वलनशील पदार्थ का भंडारण है जिस कारण से आग तेजी से फैल रही है। पुलिस की टीम भी घटना स्थल पर मौजूद है। मामले की जानकारी देते हुए निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ के लिए भारत-अमेरिका ट्रेड डील से नए आर्थिक अवसरों के द्वार खुलेंगे: मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक साख और सामर्थ्य को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि इस समझौते से छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को अमेरिकी बाजार तक नई पहुँच मिलेगी। विशेष रूप से राज्य के वन-आधारित उत्पाद, हथकरघा एवं हस्तशिल्प, वस्त्र तथा कृषि आधारित उत्पादों के लिए निर्यात,

निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे प्रदेश के युवाओं को व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस व्यापारिक ढांचे में किसानों के हितों और ग्रामीण आजीविका की पूरी तरह सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। साथ ही यह पहल महिला सशक्तिकरण को गति देने, स्थानीय उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग को मजबूती प्रदान करने और मेक इन इंडिया की भावना को और सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता छत्तीसगढ़ के लिए नए आर्थिक अवसरों का द्वार खोलेगा।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की दिशा में छत्तीसगढ़ एक सशक्त और सक्रिय भागीदार के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह समझौता राज्य के समावेशी एवं सतत आर्थिक विकास को नई गति देगा।

क्लास में चाकू लहराने वाला गिरफ्तार, 3 नाबालिग बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मोवा में कक्षा के भीतर चाकू लहराने की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। वायरल वीडियो के मुख्य आरोपी छात्र को चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि घटना में शामिल अन्य तीन विधि से संघर्षरत बालकों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें स्कूल की कक्षा के अंदर कुछ छात्र चाकू लहराते नजर आ रहे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पण्डरी पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तत्काल जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहा मुख्य आरोपी सुशांत प्रधान (19 वर्ष), पिता सुशील प्रधान, निवासी बीएसयूपी कॉलोनी सड्डू, कक्षा 12वीं का छात्र है। आरोपी ने करीब एक माह पूर्व

स्कूल परिसर में अवैध रूप से चाकू लाया था और कक्षा के भीतर अपने दोस्तों को दिखाया। इसी दौरान उसके साथ मौजूद तीन अन्य नाबालिग छात्रों ने चाकू हाथ में लेकर वीडियो बनाया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान आरोपी ने चाकू रखने और स्कूल परिसर में लाने की बात स्वीकार की, जिसके बाद उसके कब्जे से चाकू बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। थाना पण्डरी में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 33/2026 धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

वायरल वीडियो में शामिल अन्य तीन छात्र विधि से संघर्षरत बालक पाए गए हैं।उनकी भूमिका गौण होने के कारण उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के बजाय सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट तैयार की जा रही है और उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस ने विद्यालय परिसर में अनुशासन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल प्रबंधन के साथ समन्वय करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

रायपुर।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्वागत किया। बता दें कि शाह का 2 महीने में यह दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा है। अमित शाह 7 फरवरी से 3 दिवसीय दौरे पर रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर केंद्र सरकार की रणनीति से जुड़े अहम दौर की शुरूआत हो रही है। अमित शाह का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन अब नजदीक आ चुकी है। इस समय-सीमा का ऐलान खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था।इसके बाद छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रही है। इस डेडलाइन में अब करीब 52 दिन का ही समय बाकी है। अमित शाह बस्तर में पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

कांग्रेस-एनएसयूआई ने सरसिंवा में कॉलेज की मांग को लेकर 16 किमी छात्र अधिकार पदयात्रा निकाली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सरसिंवा में शासकीय महाविद्यालय खोलने की मांग को लेकर बिलाईगढ़ विधायक कविता लहरे के नेतृत्व में कांग्रेस और एनएसयूआई के सैकड़ों कार्यकताओं ने छात्र अधिकार पदयात्राह्व निकाली। प्रदर्शनकारियों ने करीब 16 किलोमीटर का पैदल मार्च कर शासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरसिंवा में शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार उस कॉलेज को सरसिंवा से 15-20 किलोमीटर दूर धोबनी में खोल रही है।इससे सरसिंवा क्षेत्र के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और क्षेत्रवासियों के साथ छल किया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय भाजपा नेता के निजी महाविद्यालय को लाभ पहुंचाने के लिए जानबूझकर शासकीय महाविद्यालय को धोबनी स्थानांतरित किया जा रहा है, ताकि निजी कॉलेज प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस को धोबनी में कॉलेज खुलने पर कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि खुशी है कि वहां भी महाविद्यालय खुले, लेकिन सरसिंवा के लिए घोषित कॉलेज को वहां से हटाने का विरोध किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरसिंवा तेजी से एक शहरी हब के रूप में विकसित हो रहा है, ऐसे में यहां महाविद्यालय खुलना बेहद जरूरी है। यदि कॉलेज सरसिंवा में नहीं खुलता है तो क्षेत्र के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। पदयात्रा के दौरान प्रदर्शनकारी जब कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तभी पुलिस और प्रशासन की टीम ने उन्हें रास्ते में रोककर उनकी मांगें सुनीं। फिलहाल सरसिंवा में शासकीय महाविद्यालय खोलने की मांग लगातार तेज होती जा रही है। अब यह देखना होगा कि शासन-प्रशासन इस जनआंदोलन और छात्र हितों से जुड़ी मांग को कितनी गंभीरता से लेता है।

सम्पादकीय

किताबों को सियासी अखाड़ा नहीं बौद्धिक संवाद का माध्यम बनाएं

लोकतंत्र में किताबें विचारों का माध्यम होती हैं, लेकिन जब वही किताबें राजनीति का अखाड़ा बन जाएं, तो यह चिंता का विषय हो जाता है। हाल के दिनों में तीसरे पक्ष या पूर्व अधिकारियों द्वारा लिखा गई किताबों को लेकर संसद से लेकर सड़कों और सोशल मीडिया तक जिस तरह का शोर मचा है, उसने लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विचारों पर बहस के बजाय आरोप-प्रत्यारोप और बदनाम करने की राजनीति हावी होती दिख रही है। तीसरे पक्ष द्वारा लिखी गई किताबें किसी सरकार या संस्था का आधिकारिक दस्तावेज नहीं होतीं। वे लेखक की सोच, उसके अनुभव और उसक समय की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती हैं। ऐसे में काल, समय और संदर्भ को समझे बिना वर्षों पुराने प्रसंगों को वर्तमान राजनीति से जोड़ना न तो सत्ता पक्ष की समझदारी है और न ही विपक्ष की जिम्मेदारी। दुर्भाग्य यह है कि दोनों ही पक्ष इन किताबों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के हिसाब से इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। संसद में किताबों को लेकर हुए हालिया विवाद के बाद सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरों और अधूरी जानकारियों की बाढ़ सी आ गई है। बिना पूरी किताब पढ़े, बिना तथ्यों की पुष्टि किए, चुनिंदा पंक्तियों को आधार बनाकर माहौल बनाया गया। यह प्रवृत्ति न केवल जनता को भ्रमित करती है, बल्कि संसद जैसे सर्वोच्च मंच की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है। जहां जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए, वहां नेता एक-दूसरे की नीयत पर सवाल उठाने में उलझे नजर आते हैं। पूर्व अधिकारियों, विशेषकर सेवानिवृत्त सैन्य प्रमुखों द्वारा लिखी गई किताबें स्वाभाविक रूप से संवेदनशील होती हैं। हाल ही में जनरल एम. एम. नरवणे की किताब को लेकर उठा विवाद इसका स्पष्ट उदाहरण है। ऐसी किताबें सत्ता पक्ष को असहज कर सकती हैं, क्योंकि वे नीतियों, निर्णयों और दावों पर सवाल उठाती हैं, लेकिन असहज सवालों से बचने के लिए हंगामा खड़ा करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं कहा जा सकता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी लेखक को अपने अनुभव और विचार साझा करने का अधिकार है। जब ऐसी किताबों को लेकर सेंसरशिप की मांग उठती है या सदन में शोर-शराबा किया जाता है, तो यह संकेत देता है कि विचारों से टकराने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश की जा रही है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए घातक है। किताबों पर होने वाली राजनीति अक्सर दोहरे चरित्र को उजागर करती है। सत्ता पक्ष इन्हें गैर-जिम्मेदार या भ्रामक बताकर खारिज करने में जुट जाता है, जबकि विपक्ष इन्हीं किताबों को सरकार को घेरने का औजार बना लेता है। दोनों ही स्थितियों में सच्चाई, तथ्य और संतुलन कहीं पीछे छूट जाते हैं। कई बार इन विवादों का असली उद्देश्य जनहित नहीं, बल्कि तात्कालिक राजनीतिक या चुनावी लाभ होता है। इस राजनीतिक शोर का सबसे बड़ा नुकसान संसद को होता है। संसद का समय देश की सबसे कीमती पूंजी है। जब यह समय किताबों के बहाने हंगामे में जाया होता है, तो आमजन के मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान हाशिये पर चले जाते हैं। कुल मिलाकर किताबें समाज को सोचने, समझने और सवाल करने का अवसर देती हैं। उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनाने के बजाय बौद्धिक संवाद का माध्यम बनाया जाना चाहिए। जब तक विचारों से डरकर शोर मचाया जाता रहेगा, तब तक संसद की गरिमा और लोकतंत्र दोनों कमजोर होते रहेंगे। जरूरत इस बात की है कि राजनीति विचारों से लड़ें, किताबों से नहीं।

छत्तीसगढ़ में अब राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की जरूरत

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

साल 2026-27 के आम बजट में केंद्र सरकार द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास और लोकव्यापीकरण के लिए कई अभूतपूर्व घोषणाएं की गई है। आयुर्वेद से जुड़े नीति नियंताओं और जानकारों के मुताबिक इन घोषणाओं के धरातली क्रियान्वयन के बाद इस पद्धति को काफी प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। बजट घोषणाओं पर गौर करें तो इसमें देश में तीन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान 'एआईआईए' की स्थापना, आयुष फार्मेसी और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं 'डीटीएल' को अत्याधुनिक करने जैसी घोषणाएं शामिल हैं। इसी तरह देश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच रीजनल मेडिकल हब तैयार किए जाएंगे। प्रस्तावित मेडिकल हब में आयुर्वेद, योग, डायग्नोस्टिक और रिकवरी सेवाएं एक साथ मिलेगी जिसका लाभ निरोगी और रोगी दोनों तरह के लोग ले सकेंगे। बजट में गुजरात के जामनगर स्थित डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र को भी सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया गया है। बिलाशक यह बजट भारत के सदियों पुरानी चिकित्सा पद्धति 'आयुर्वेद' को नयी दशा और दिशा देने में पूरी तरह से सार्थक साबित होगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की प्रमुख पहचान वनौषधियों से परिपूर्ण जंगल हैं जहां औषधीय महत्व वाले लगभग 1525 तरह के वनस्पतियों की उपलब्धता के साथ ही समृद्ध जैव विविधता भी है। राज्य का 44 फीसदी हिस्सा वनों से आच्छादित है जिसमें औषधीय गुणों वाले जड़ी-बूटियों की असाधारण विविधता है। इन्हीं खूबियों के चलते छत्तीसगढ़ को स्थापना काल से ही 'हर्बल स्टेट' की संज्ञा दी गई है। उल्लेखनीय है कि 1 नवंबर 2000 को भारत के राजनीतिक मानचित्र पर तीन राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड का अस्तित्व सामने आया। छत्तीसगढ़ अपने राजनीतिक स्थिरता के साथ जीरो कट बिजली आपूर्ति और खनिज संसाधनों के चलते अपने साथ निर्मित दो अन्य राज्यों को काफी पीछे छोड़ते हुए देश के शीर्षस्थ राज्यों में शुमार हो चुका है। मध्य भारत में छत्तीसगढ़ की एक पहचान 'एजुकेशन हब' के साथ ही 'मेडिकल हब' के तौर पर भी है जहां शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित अनेक सरकारी और निजी संस्थान स्थापित हैं। राज्य में मेडिकल, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, उच्च शिक्षा, कानून के केंद्रीय संस्थान संचालित हैं।

प्रदेश में मेडिकल से संबंधित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान 'एम्स', भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ' एनआईटी', अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान 'ट्रिपल आईटी ', भारतीय प्रबंधन संस्थान 'आईआईएम', हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी 'एचएनएलयू' और गुरू घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित हैं। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी 'एनआईईएलआईटी' और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन 'एनआईएफडी' की स्थापना को मंजूरी दी गई है। केंद्र सरकार ने राजधानी रायपुर में केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान 'सीआरआईवायएन' के स्थापना को भी मंजूरी दिया है। प्रदेश में आयुर्वेद शिक्षा और चिकित्सा के अकादमिक विकास के साथ ही अनुसंधान की काफी संभावनाएं हैं। उपरोक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत अब छत्तीसगढ़ राज्य में एक राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थान की आवश्यकता है ताकि यह राज्य अपनी पहचान को सार्थक कर सकें।वर्तमान में राज्य में सरकारी क्षेत्र के 2 तथा निजी क्षेत्र के 6 आयुर्वेद कॉलेज संचालित हैं। राज्य स्थापना के पच्चीस सालों पर गौर करें तो प्रदेश में आयुर्वेद शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में आशातीत विकास हुआ है लेकिन केंद्रीय आयुर्वेद संस्थान की आवश्यकता अब बलवती हुई है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजिन की सरकार है जिसके चलते राज्य को केंद्र सरकार से लगातार सहयोग प्राप्त हो रहा है।

केंद्र सरकार की प्राथमिकता में छत्तीसगढ़ शीर्ष पायदान पर है लिहाजा जन अपेक्षा है कि नवीन बजट में घोषित तीन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में से एक इस राज्य में स्थापित हो। छत्तीसगढ़ में 'एआईआईए' के स्थापना की आवश्यकता के मूल में यहां विशेष प्रजातियों के वनौषधियों की प्रचुरता के साथ ही परंपरागत वैद्यों की अच्छी खासी मौजूदगी है। यह सीधे तौर पर राज्य के लिए प्राकृतिक के साथ ही बौद्धिक संपदा भी है। राज्य के वनों में मुख्य रूप से आंवला, हर्रा, बहेड़ा, नीम, अपामार्ग, चिरायता, गिलोय, अर्जुन, अश्वगंधा, शतावरी , पुनर्नवा, भुंई आंवला, कलिहारी, बेल, अडूसा, बीजा प्रजाति के औषधि वनस्पतियां उपलब्ध हैं। वनस्पति विज्ञानियों की मानें तो छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य और चिकित्सा के दृष्टिगत कई दुर्लभ और औषधीय पौधों की प्रजातियां हैं जो विलुप्त होने के कगार पर है। इन वनस्पतियों में प्रमुख जनजातिय बहुल बस्तर में पाए जाने वाले ट्री-फर्न, सफेद मूसली, पसरा, बीजा, शीशम और दहीमन हैं जिनका संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। राज्य के जनजातीय समुदाय के परंपरागत वैद्यों के पास पीढ़ी दर पीढ़ी मधुमेह, उच्च रक्तचाप,

गठिया और एनीमिया रोग के उपचार के नुस्खे उपलब्ध हैं जिनका वैज्ञानिक मानकीकरण करने तथा इस पर अनुसंधान की आवश्यकता है। दुर्गम जंगलों में निवासरत इन जनजातीय वैद्यों को जड़ी - बूटियों की अच्छी- खासी पहचान और चिकित्सकीय महत्व के बारे में जानकारी है। छत्तीसगढ़ में यदि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना होती है तो परंपरागत वैद्यों के पास उपलब्ध नुस्खों पर अनुसंधान और इसके वैज्ञानिक मानकीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। राज्य के अनूकूल जलवायु और उर्वरा मिट्टी के दृष्टिगत राज्य वनौषधियों की खेती, व्यापार व निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। गौरतलब है कि केरल राज्य के राजस्व का एक प्रमुख स्त्रोत आयुर्वेदिक पर्यटन है जहां देश और विदेश के लोग इस उद्देश्य से पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ में भी आयुर्वेदिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि बस्तर से लेकर सरगुजा का क्षेत्र इसके अनुकूल हैं। राज्य में उपलब्ध वनौषधियों की प्रचुरता, निर्बाध बिजली और मानव संसाधन की उपलब्धता के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद दवा उद्योग की बेहतर संभावनाएं हैं। राज्य में राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थान की स्थापना के आवश्यक सभी प्रकार के अधोसंरचना, भूमि की उपलब्धता,परिवहन संपर्क और संसाधन मौजूद हैं। उपरोक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत राज्य में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की प्रबल दावेदारी है। उल्लेखनीय है कि इस संस्थान से जहां आयुर्वेद के अकादमिक विकास और चिकित्सा अनुसंधान को पंख लगेगा वहीं इससे रोजगार और व्यापार के नये अवसर भी पैदा होंगे। इस संस्थान के स्थापना से छत्तीसगढ़ को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगा वहीं आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वित शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा तथा जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा का लाभ भी मिलेगा।इसके अलावा यह संस्थान आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा पैरा मेडिकल्स के कौशल उन्नयन तथा तकनीकी नवाचार के दिशा में भी काफी सहायक होगा।

गौरतलब है कि वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान ही भारत सहित दुनिया में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के लोगों का रूझान काफी बढ़ा है। आयुर्वेद एक चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि संपूर्ण जीवनशैली है जिसमें विभिन्न ऋतुओं में व्यक्ति को सेहतमंद रखने के लिए दिनचर्या, खान-पान और परहेज का उल्लेख है। वर्तमान परिदृश्य में जब भारत सहित दुनिया की एक बड़ी आबादी मोटापा , मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और कैंसर जैसे जीवनशैली गत रोगों के चुनौतियों से जूझ रहा है तब आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में इन बीमारियों से बचाव और नियंत्रण के पर्याप्त उपाय मौजूद हैं। नित नई- नई महामारियां भी जनस्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। संक्रामक और गैर संक्रामक रोगों से बचाव और रोगी के संक्रमण मुक्त होने में मुख्य भूमिका व्यक्ति के रोग-प्रतिरोधक क्षमता की होती है। आयुर्वेद पद्धति में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बरकरार रखने तथा विकसित करने के तमाम उपाय निहित हैं। विचारणीय है कि छत्तीसगढ़ जैसे विकासशील राज्य में भी एक बड़ी जनसंख्या संक्रामक और गैर संक्रामक रोगों से ग्रस्त है जिसका नकारात्मक असर राज्य के आर्थिक विकास में पड़ना लाजिमी है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में अब राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थान की आवश्यकता है ताकि "युवा छत्तीसगढ़" सेहतमंद और ऊर्जावान बना रहे। किसी भी देश और प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में स्वास्थ्य की मुख्य भूमिका होती है। बिलाशक इस उद्देश्य की पूर्ति में 'अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान' की भूमिका अहम हो सकती है लिहाजा राज्य सरकार से अपेक्षा है कि वह इस दिशा में प्रभावी पहल करेगी।

पुण्यतिथि पर विशेष

हर्षवर्धन पान्डे

लता मंगेशकर : मेरी आवाज़ ही पहचान है, गर याद रहे..

लता मंगेशकर की मखमली और जादुई आवाज की दुनिया दीवानी थी। उनकी आवाज़ दिल को छूती नहीं, बल्कि दिल में बस जाती थी। हर दिल अजीज लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से हिंदी सिनेमा की गायकी में ऐसे चार चांद लगाए कि हर कोई उनका मुरीद हुए बिना नहीं रह पाया। सही मायनों में हिंदी सिनेमा की गायकी की दुनिया को लता ने अपने मधुर स्वर से नई दिशा देने का काम किया। लता की वो आवाज हर किसी के दिल के तारों को आज भी झंकृत कर देती है। हिंदी सिनेमा के 100 बरस से अधिक के सफ़र में लता की गायकी सिल्वर स्क्रीन पर चार चांद लगा देती है। लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। लता पांच भाई बहनों में सबसे बड़ी थी। लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक क्लासिकल सिंगर और थिएटर आर्टिस्ट थे। लता की तीन बहनें मीना, आशा, उषा और एक भाई हृदयनाथ मंगेशकर थे। पांच साल की उम्र में ही लता ने अपने पिता से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी और थिएटर में एक्टिंग किया करती थी। जब वो स्कूल गयी तो वहां के बच्चों को संगीत सिखाने लगी लेकिन जब लता को अपनी बहन 'आशा' को स्कूल लाने से मना किया गया तो उन्होंने स्कूल जाना छोड़ दिया। सुरों की मल्लिका लता मंगेशकर का भी बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था। काफी समय तक उन्हें कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला। इसकी दो वजहें थीं। एक तो साल 1940 के दौर में जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में एंट्री ली, बॉलीवुड में नूरजहां और शमशाद का दबादबा था और दूसरा लता की आवाज़ की पिच काफी हाई थी और आवाज़ पतली, ऐसे

में उस दौर के चलन में चल रहे गानों के मुताबिक आवाज भी फिट नहीं बैठती थी। प्रोड्यूसर शशिधर मुखर्जी ने लता मंगेशकर की आवाज को 'पतली आवाज' कहकर अपनी फिल्म 'शहीद' में गाने से मना कर दिया था, फिर म्यूजिक डायरेक्टर गुलाम हैदर ने लता को फिल्म 'मजबूर' में 'दिल मेरा तोड़ा, कहीं का ना छोड़ा' गीत गाने को कहा जो काफी सराहा गया । लता मंगेशकर के पिता नहीं चाहते थे कि वो फ़िल्मों के लिए गाने गाये, लेकिन लता मंगेशकर बचपन से ही गायिका बनना चाहती थीं। साल 1942 में उनके पिता इस दुनिया को छोड़ गए और लता मंगेशकर के कंधों पर परिवार को संभालने की सारी ज़िम्मेदारी आ गई । इसी वजह से लता ने 1942 से लेकर 1948 तक करीब 8 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया। 1948 में म्यूज़िक कंपोज़र गुलाम हैदर ने लता को बड़ा ब्रेक दिया, जिसके बाद उनका संघर्ष का दौर खत्म हुआ और फिल्मी दुनिया में ऐसा सिक्का चला कि लोग उनकी आवाज के दीवाने हो गए। चंद महीनों में ही लता के प्रति लोगों का नजरिया बदला और उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली और फिर इसके बाद उन्हें मुड़कर पीछे नहीं देखना पड़ा। लता मंगेशकर ने फिल्म इंडस्ट्री के सभी दिग्गज म्यूज़िक डायरेक्टर्स और सिंगर्स के साथ काम किया। उन्होंने 1000 से भी ज्यादा हिंदी फिल्मों और 36 से भी ज्यादा भाषाओं में गाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। साल 1977 में आई फिल्म 'किनारा' में लता मंगेशकर ने 'नाम गुम जायेगा, चेहरा ये बदल जायेगा, मेरी आवाज़ ही, पहचान है, गर याद रहे' गीत गाया। लता मंगेशकर की ये लाइनें उनके हर चाहने वाले को हमेशा याद रहेंगी। उस दौरान उन्होंने बैजू बावरा, मदर इंडिया, देवदास और मधुमति जैसी हिट फिल्मों में गाने गाए। फिल्म 'मधुमति' के गाने 'आजा रे परदेसी' के लिए 1958 में लता मंगेशकर को पहला फिल्मफेयर मिला। लता मंगेशकर को साल 2001 में 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। लता दीदी को इसके पहले पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण(1999) और दादा साहब फाल्के अवार्ड (1989) पुरस्कार से भी नवाजा गया । सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने ताउम्र शादी नहीं की। इसकी वजह बताते हुए वो कहती थी कि पिता की मौत के बाद घर के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी उन पर थी। ऐसे में कई बार शादी का ख्याल आता भी तो उस पर अमल नहीं कर सकती थी। मध्यप्रदेश सरकार ने 1984 में लता मंगेशकर के नाम पर एक पुरस्कार शुरू किया। इस पुरस्कार के लिए चयनित कलाकारों को दो-दो लाख की राशि, सम्मान पट्टिका, शाल-श्रीफल से अलंकृत किया जाता है। 6 फरवरी 2022 को 92 वर्ष की आयु में लता का निधन हो गया। आज भले ही वो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज का जादू लम्बे समय तक भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में रंग भरता रहेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

संकलित

दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता हैं, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएँ ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है। कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह काँटों में मुस्कराता है।

मुश्किल समय में मन अस्थिर हो जाता है

संकलित

प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्राएं करते रहते थे। यात्रा में उनके शिष्य भी साथ रहते थे। एक दिन वे अपने शिष्य आनंद के साथ यात्रा कर रहे थे। यात्रा करते हुए वे एक जंगल से गुजर रहे थे। उन्हें चलते-चलते काफी समय हो गया था। काफी चलने की वजह से वे थक गए थे। आराम के लिए वे एक जगह रुके। बुद्ध ने शिष्य आनंद से कहा कि प्यास लगी है, पास में से ही एक झरने के बहने की आवाज आ रही है, वहां जाकर पीने का पानी ले आओ। बुद्ध की आज्ञा मिलने के बाद आनंद झरने के पास पहुंच गया। वहां पहुंचकर आनंद ने देखा कि एक बैलगाड़ी पानी में से गुजरी है तो पहियों की वजह से पानी बहुत गंदा हो गया है। पानी में मिट्टी दिख रही थी, पानी पीने लायक नहीं था। आनंद गंदा पानी देखकर लौट आया। आनंद ने लौटकर बुद्ध से कहा कि तथागत, वहां का पानी तो बहुत गंदा है, पीने लायक नहीं है। बुद्ध ने कहा कि अब तुम कुछ देर बाद फिर से जाना। इस बार तुम्हें अच्छा पानी मिल जाएगा। बुद्ध की बात मानकर आनंद कुछ देर बाद फिर से पानी लेने पहुंच गया। इस बार पानी शांत था, पानी में कोई हलचल नहीं थी। पानी एकदम साफ दिख रहा था। आनंद ने तुरंत ही पीने के लिए पानी भरा और बुद्ध के पास लौट आया। बुद्ध ने पानी पीकर आनंद से कहा कि हमारे जीवन में भी कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं। मन तनाव की वजह से अशांत हो जाता है। अशांति गंदे पानी की तरह है। जब तक मन अशांत रहता है, तब तक हमें कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए।

उत्तरायणी कौथिक उत्सव

देहरादून में गुरुवार को उत्तरायणी कौथिक उत्सव के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

आज की पाती

पाक का संशोधन लोकतंत्र के लिए काला अध्याय

संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र की आत्मा होते हैं, जो समय के साथ बदलती चुनौतियों का सामना करने के लिए ढांचे को लचीला बनाते हैं। लेकिन जब ये संशोधन सत्ता के संतुलन को बिगाड़ने का हथियार बन जाते हैं, तो वे लोकतंत्र को ही खोखला करने लगते हैं। पाकिस्तान की संसद द्वारा नवंबर 2025 में पारित 27वां संवैधानिक संशोधन ठीक ऐसा ही एक उदाहरण है। यह संशोधन सतह पर संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करता प्रतीत होता है, किंतु वास्तव में कार्यपालिका और सेना के हाथों में न्यायपालिका को बंधक बनाने का प्रयास है। इसने न केवल पाकिस्तानी संस्थानों के बीच शक्ति संतुलन को उलट दिया है, बल्कि विधि के शासन को गंभीर खतरे में डाल दिया है। - **मनीष शर्मा**, राजनांदगांव

ट्रेंड

'भारत टैक्सी' से मुनाफा

सहकारिता से बहुत सारे लोग मिलकर छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। चालक बहन-भाई 'भारत टैक्सी' से न सिर्फ अधिक मुनाफा कमा पाएंगे, बल्कि सम्मान के साथ इसके मालिक भी होंगे।

- **अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री**

देश का सामरिक विकास

प्रजातंत्र के बारे में बोलने वाले विपक्षी दल संसद में प्रजातंत्र का गला घोंटते हैं, ये सारा देश देख रहा है। विपक्षी दलों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का सामरिक विकास रास नहीं आ रहा है।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

टैरिफ का आकलन

भारत पर अमेरिका द्वारा टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने की खबर कितनी देश व जनहित में है, इस बारे में समुचित जानकारी के अभाव में तत्काल कोई आकलन करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इस पर जमीनी अमल होने के बाद ही पता चलेगा कि इससे आमजन का क्या भला होगा।

- **मायावती, पूर्व सीएम, उप्र**

विरोध करने का निर्णय

मोदी सरकार ने ठान लिया है कि दोनों विपक्षी नेताओं को बात करने नहीं देना है। सारी विपक्ष की पार्टियों के नेताओं ने यह तय किया कि अगर वे हमें बात करने नहीं देंगे, तो हमें वाक आउट करना चाहिए और विरोध करना चाहिए।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कार्यक्रम

करंट अफेयर

अमेरिकी महाद्वीप में खसरे को लेकर चेतावनी जारी

'पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (पीएएचओ) ने अमेरिकी महाद्वीप में खसरे के मामलों में अचानक वृद्धि के मद्देनजर एक नई महामारी संबंधी चेतावनी जारी की है। मेक्सिको में खसरे के काफी अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पीएएचओ की ओर से जारी चेतावनी में तत्काल टीकाकरण अभियान चलाने का भी आह्वान किया गया है साथ ही कहा गया है कि हाल में सामने आए मामले में 78 प्रतिशत मामले ऐसे लोगों में हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। बुधवार को यह चेतावनी ऐसे वक्त में जारी की गई है जब नवंबर में कनाडा का खसरा-मुक्त दर्जा समाप्त हो गया है। यह एक ऐसा झटका है जिसकी पुनरावृत्ति जल्द ही अमेरिका और मेक्सिको में भी हो सकती है। इस वर्ष के पहले तीन हफ्तों में पीएएचओ ने सात देशों में खसरे के 1,031 नए मामलों की पुष्टि की है - जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में चौंका देने वाली 43 गुना वृद्धि है। हालांकि अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है, लेकिन संक्रमण का प्रसार अब भी अधिक है। मेक्सिको में सबसे अधिक 740 मामले हैं, उसके बाद अमेरिका में 171 और कनाडा में 67 मामले हैं। अमेरिका में अब सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी ध्यान दक्षिण कैरोलिना की ओर केंद्रित किया गया है, जहां खसरे के मामलों में वृद्धि हो रही है।

ऑफ बीट

उम्र बढ़ना एक जटिल प्रक्रिया सबमे इसका असर अलग

आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते होंगे, जो अपनी वास्तविक उम्र से छोटा दिखाई देता होगा। इसी तरह आप ऐसे लोगों के भी संपर्क में आए होंगे, जो अपनी उम्र से काफी बड़े नजर आते हैं। क्या कारण है कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया हर व्यक्ति में समान नहीं होती? मैंने अपने पूरे करियर में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया (एजिंग) पर अध्ययन किया है। मैं मिशिगन विश्वविद्यालय में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से संबंधित कोशिकीय एवं आणविक विज्ञान का प्रोफेसर हूं। उम्र बढ़ने की प्रक्रिया से जुड़े अनुसंधान में ऐसा समाधान नहीं तलाशा जाता, जो ढलती उम्र में आपको होने वाली हर बीमारी से निजात दिला सके। बल्कि, पिछले एक या दो दशक में हुए शोध इस ओर इशारा करते हैं कि 'एजिंग' एक बहुकारकीय प्रक्रिया है और इसे महज एक उपाय से नहीं रोका जा सकता। 'एजिंग' क्या है? -एजिंग की अलग-अलग परिभाषाएं हैं, लेकन वैज्ञानिक आमतौर पर कुछ समान कारकों पर सहमत होते हैं : उम्र बढ़ने की प्रक्रिया समय पर निर्भर करती है, जो व्यक्ति को बीमारियों, चोट और मौत के खतरे के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०- /व-121/2025-26

ग्राम रेवतपुर प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम रेवतपुर प०ह०नं०- उप तहसील वरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक समल आ०/पति... संझा जाति गोंड निवासी ग्राम रेवतपुर तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के पुत्र रामगुलाम का जन्म दिनांक 18.05.2005 को ग्राम रेवतपुर घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 10/12/2025 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अतः आज दिनांक 20/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बरियों बलरामपुर रा०गंज

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

कृति पिता दादूराम राजवाड़े निवासी ग्राम दलौनी खुर्द पोस्ट-दरीर्पारा तहसील भैयाथान थाना झिलमिली जिला सूरजपुर(छःग) का मूल निवासी हू।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 533572415434 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम सरिता एवं जन्म तिथि 01/11/2015अंकित है।जबकि सही नाम कृति पिता दादूराम राजवाड़े व माता प्रमिला है एवं जन्म तिथि 01/11/2015 है व मेरे जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में अंकित है जो सत्य एवं सही है।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की यौन उत्पीड़न पीड़िता युवती के हक में दिया फैसला

महिला की मर्जी के बिना उसे मां बनने को मजबूर नहीं किया जा सकता, उसे बाध्य करना गलत

जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस भुइयां की बेंच ने सुनवाई की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की एक 18 साल की यौन उत्पीड़न पीड़िता युवती के हक में बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने उसे 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी खत्म करने की अनुमति दे दी है। यह युवती तब गर्भवती हुई थी जब वह नाबालिग थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि युवती की शारीरिक अखंडता और अपनी मर्जी से फैसला लेने का अधिकार सबसे ऊपर है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी अदालत किसी महिला को अनचाही प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। जजों ने कहा कि अगर कोई महिला बच्चा नहीं चाहती, तो उसे इसके लिए बाध्य करना गलत होगा। बेंच ने युवती के वकील की दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा कि अपीलकर्ता के बच्चे का मेडिकल तरीके से गर्भपात किया जा सकता है।

दुष्कर्म पीड़िता ने लगाई गर्भपात की गुहार

युवती की मर्जी को बताया सबसे ऊपर

सुप्रीम कोर्ट

फैसला लेना आसान नहीं था

जस्टिस नागरत्ना ने गंभीरता बात की। उन्होंने कहा कि यह फैसला लेना उनके लिए भी आसान नहीं था, क्योंकि जन्म लेने वाला बच्चा भी एक जीवन ही होता। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जब लड़की बार-बार कह रही है कि वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती, तो उसकी इच्छा का सम्मान करना होगा।

अदालत ने अस्पताल को दिया आदेश

पीठ ने यह भी साफ किया कि मुद्दा यह नहीं है कि संबंध सहमति से बने थे या यह उत्पीड़न का मामला था। मुख्य तथ्य यह है कि होने वाला बच्चा वैध नहीं है और दूसरा, लड़की इस समय एक कठिन स्थिति में है और वह मां नहीं बनना चाहती। अगर मां के हितों को ध्यान में रखना है, तो उसे मर्जी से फैसला लेने का अधिकार दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के जेजे अस्पताल को आदेश दिया है कि वे लड़की की गर्भपात को मेडिकल तरीके से खत्म करें। साथ ही, अस्पताल को सभी जरूरी सुरक्षा नियमों और मेडिकल प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सामाजिक कलंक और हक पर की अहम चर्चा

युवती के वकील ने तर्क दिया कि अवैध बच्चे को जन्म देने से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण उसे गहरा मानसिक आघात पहुंचेगा। कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा कि अपीलकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य है, भले ही निर्णय लेने में देरी हुई हो। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया- हमें किसके हित को देखना चाहिए? एक अजन्मा बच्चा या वह मां जो उसे जन्म दे रही है? जस्टिस नागरत्ना ने चिंता जताई कि जब डॉक्टर कानूनी जटिलताओं के कारण मना कर देते हैं, तो महिलाएं मजबूरन झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाती हैं, जो उनके जीवन के लिए खतरनाक है।

अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य

मां की प्रजनन स्वायत्तता को महत्व देना चाहिए

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि लड़की गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती। अदालत ने कहा कि यह प्रश्न नहीं है कि संबंध सहमति से था या नहीं। वास्तविकता यह है कि बच्चा अवैध है और मां बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। मां की प्रजनन स्वायत्तता को महत्व दिया जाना चाहिए।

तलाक केस की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा

इस शादी डॉट कॉम का क्या करें?'

तलाक से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म शादी डॉट कॉम को लेकर चिंता जताते हुए एक अहम टिप्पणी की है। जब कोर्ट को बताया गया कि पति-पत्नी के बीच सुलह की तमाम कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं और पति ने पिछले दो साल से अपनी पत्नी को देखा तक नहीं है, तो जस्टिस जेबी पारदीवाला ने मामले की पृष्ठभूमि पर सवाल उठाते हुए कहा कि शादी डॉट कॉम? आप शादी डॉट कॉम पर मिले थे? वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पति और पत्नी अलग-अलग रह रहे हैं। सुलह की कोशिशें बार-बार की गईं, लेकिन सफल नहीं रहीं। पति ने 2 सालों से पत्नी से मुलाकात तक नहीं की।जस्टिस ने टिप्पणी की इस शादी डॉट कॉम का हम क्या करें?

आपसी समाधान का प्रयास करें

कोर्ट ने आधुनिक ऑनलाइन मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म्स के जरिए बनी शादियों और उनके टिकाऊपन पर अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाया।हालांकि कोर्ट ने मामले में कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया, लेकिन जस्टिस पारदीवाला ने वकील से एक बार फिर सुलह की कोशिश करने का आग्रह किया है।

सीईओ ने मौजूदा स्थिति को बयां किया

एयर इंडिया का यह कायाकल्प टेस्ट के 5वें दिन जैसा लग रहा

प्रबंध निदेशक विल्सन ने कहा- प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एअर इंडिया का कायाकल्प अब किसी क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें दिन की सुबह जैसा है, जहां खेल अपने निर्णायक मोड़ पर होता है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने एयरलाइन की मौजूदा स्थिति को बयां करने के लिए क्रिकेट की यह दिलचस्प उपमा दी है। विल्सन ने साफ किया है कि बदलाव की इस प्रक्रिया में 'भारी भरकम काम' (हैवी लिफ्टिंग) पूरा कर लिया गया है। सीईओ ने साफ कर दिया है कि एयरलाइन को मुनाफे में लाने में अभी और लंबा वक्त लग सकता है। जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद से एयरलाइन अपने परिचालन और सेवाओं को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती से जूझ रही है और अब प्रबंधन का मानना है कि वे प्रक्रिया के अंतिम चरण में प्रवेश कर चुके हैं।

'क्रांति' से 'सुधार' की ओर बढ़ा सफर

दिल्ली हवाई अड्डे पर नई लाउंज के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बातचीत में विल्सन ने कहा कि एयरलाइन का परिवर्तन अब 'क्रांति' (रिवोल्यूशन) के बजाय 'पुनरावृत्ति' (इटरेशन) के चरण में है। उन्होंने बताया कि विमानों के डिजाइन और सर्टिफिकेशन से जुड़े सभी जटिल और बड़े काम पूरे हो चुके हैं। अब जो बाकी है, वह मुख्य रूप से एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें सीटों का निर्माण, उनकी डिलीवरी और विमानों में उनका इंस्टॉलेशन शामिल है। विल्सन ने कहा कि जिस स्थिति में एयरलाइन पहले थी और जहां आज है, उसमें बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि रिइंफोर्समेंट चक्र अब पॉजिटिव है और एयरलाइन इस प्रक्रिया के अंत के करीब है, हालांकि रोलआउट को पूरा करने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा।

वर्क-स्ट्रीम पर काम अंतिम कगार पर

एयर इंडिया अपने बेड़े को पूरी तरह से नया रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसमें वर्तमान में लगभग 190 विमान शामिल हैं। जनवरी में निजीकरण के बाद एयरलाइन को अपना पहला बोइंग 787-9 विमान प्राप्त हुआ। विल्सन ने बताया कि नवंबर 2024 में, जब उनकी महत्वाकांक्षी पंचवर्षीय योजना 'विहान.एआई' ने दो साल पूरे किए थे। इस साल एयरलाइन के 20 विमान या तो नए उत्पादों के साथ डिलीवर होंगे या उन्हें नए सिरे से रिफिट किया जाएगा। 22 अलग-अलग वर्क-स्ट्रीम पर काम चल रहा है, जो लगभग पूरा होने की कगार पर है।

सीएम उमर का बजट में ऐलान

दिल्ली में खुला महराजा लाउंच

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने वकील को दी जमानत

जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

सोनभद्र।जिला सतर्कता समिति की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की, जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित जो भी मुकदमे दर्ज हुए हैं

यहां 554 स्कूलों में वोकेशनल एजुकेशन, 200 ई-बसें चलेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश के लिए 1.13 लाख करोड़ का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय योजना का मकसद केंद्र शासित प्रदेश में स्थायी विकास, सामाजिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि के लिए एक मजबूत नींव रखना है। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में 2आयुष अस्पताल की घोषणा की। राजौरी, बारामूला और डोडा में कैथ लैब व उरी और पुंछ में इमरजेंसी अस्पताल खोले जाएंगे। एम्स कश्मीर 2026 में शुरू किए जाने का ऐलान किया गया। सीमावर्ती जिलों के लिए बुलेट प्रूफ एंबुलेंस सेवा भी शुरू होगी। 554 स्कूलों में वोकेशनल एजुकेशन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने लक्ष्य रखा कि 200 नई ई-बसें चलाई जाएंगी। नए कल्चरल सेंटर बनाए जाएंगे। नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए कठुआ और हंदवाड़ा बायोटेक पार्क को फिर से शुरू किया जाएगा। किसानों को भी सुविधाएं दी।

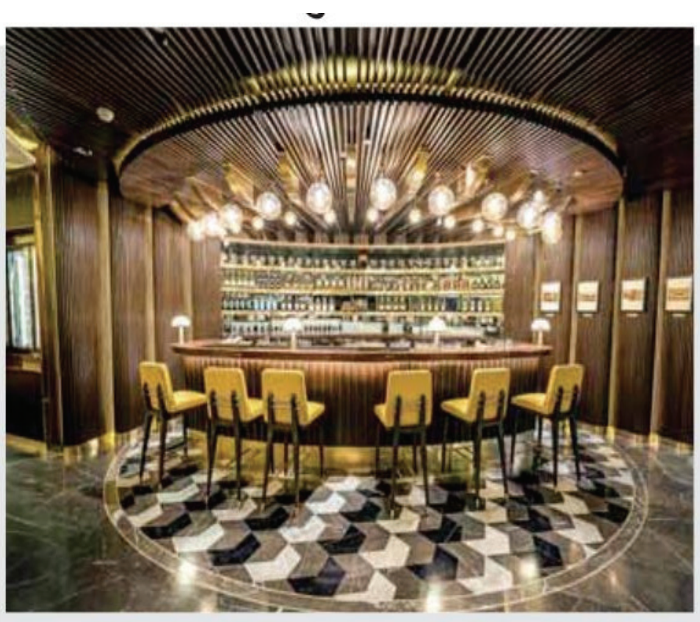

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर एयर इंडिया द्वारा खोला गया 'महाराजा लाउंज' का एक दृश्य।

मुकदमे से पहले की हिरासत सजा नहीं ठोस सबूत बगैर कैद को बताया गलत

देश की संप्रभुता और अखंडता के उल्लंघन का था आरोप

एजेंसी ▶▶ अमरावती

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अशोक चक्र को विरूपित करने वाले वकील को जमानत दे दी। उच्च न्यायालय ने देश की संप्रभुता और अखंडता का उल्लंघन करने के आरोपी 60 वर्षीय अधिवक्ता को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि ठोस सबूतों के अभाव में याचिकाकर्ता को हिरासत में रखना उचित नहीं है।अदालत ने ऐसा यह देखते हुए किया कि ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया।

उच्च न्यायालय ने सुनाया आदेश

आदेश में कहा गया कि अदालत को साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण करने कि जरूरत नहीं है कि अधिवक्ता का कथित कृत्य बीएनएस की धारा 152 के अंतर्गत आता है या नहीं, इन मुद्दों का निर्णय मुकदमे के दौरान किया जाना है।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०- /ब-121/2024-25

ग्राम खोडरो प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम खोडरो प०ह०नं० उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयनारायण आ०/ पति रूपसाय जाति गोंड निवासी ग्राम खोडरो तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के पुत्री रूपा आ० जयनारायण का. जन्म दिनांक 01.12.2008 को ग्राम खोडरो घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्य, अधवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 08/12/ 2025 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं लिया जावेगा। अतः आज दिनांक-13/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बरियों बलरामपुर रा०गंज

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202602020700085/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
रामपुर (प ह न. 00033),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार आनन्द राम, ललित राम, लाली बाई.

अनावेदक पक्षकार - शिवकुमारी, धनदिया, बालकुमारी

ईश्तहार

आवेदक आनंद राम आ०मटुकधारी व अन्य निवासी रामपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम रामपुर स्थित कुल खसरा नंबर 18 कुल रकबा 2.003 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो से पंजीबद्ध हकत्याग पत्र दिनांक 13/01/2026 के माध्यम से अनावेदिका का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम सिरसी प.ह.न. 14

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दशमेत पिता जगदीश जाति रजवार निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के ससुर स्व.पति राम आ.नोहर का मृत्यु दिनांक 07/08/2021 को ग्राम सिरसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने ससुर पतिराम आ. नोहर का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर(छःग)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सौरभ अग्रवाल पिता सुशील कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी बनारस रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -04 मोहल्ला जनपद पारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1912/1 रकबा 0.04, 1/2 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता जितेन्द्र साहू पिता सीता राम साहू, जाति तेली, निवासी कंपनी बाजार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/ 121 वर्ष

ग्राम दनौली खुर्द प.ह.न. 0.3

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुलचन्द पिता स्व. आलम साय जाति रजवार निवासी ग्राम दनौली खुर्द प.ह.न. 03 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता स्व. आलम साय आ. बंसु राम का मृत्यु दिनांक 04/05/2009 को ग्राम दनौली खुर्द में हुई है।अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता स्व. आलम साय का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत दनौली खुर्द को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 09/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 19/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०- /ब-121/2025-26

ग्राम. शिवपुर प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम शिवपुर प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुशराज रवि आ०/पति.. सरीफा राम रवि जाति चमार निवासी ग्राम शिवपुर तहसील- राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के पुत्र रोशन कुमार रवि का जन्म दिनांक 16.11.2009 को ग्राम शिवपुर घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक- // 2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। तिथि अतः आज दिनांक- / / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बरियो जिला बलरामपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क0 202602021700017

अ-27/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सेवक राम आ० बहाल राम निवासी ग्राम विशनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम विशुनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा न० 188, 192, 223, 225, 256, 257, 259/1, 262, 287, 333 कुल खसरा नंबर 10 कुल रकबा 3.544 हे० भूमि का अनावेदक तिरपन आ० स्व. बहाल राम, निवासी ग्राम विशुनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 04/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन, पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० /अ-20(3)/2 अ-20 (3) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण राजकुमार, विष्णु, सुनील, संजय आ० रामनिवास, रामप्रसाद पिता चन्द्रभान, सभी जाति अग्रवाल, निवासी रिंग रोड़ महामाया पेट्रोल नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-08 मोहल्ला अग्रसेन वार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 2761/2 रकबा 871.20 वर्गमीटर भूमि को अनावेदक/केता श्रेयांस बंसल पिता अजय बंसल, जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड नं0 38 अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

आदिवासियों की संस्कृति में बसती है छत्तीसगढ़ की आत्मा - राष्ट्रपति

बस्तर पंडुम के संभाग स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम में बस्तर पहुंची राष्ट्रपति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज सुबह बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचीं, जहाँ उन्होंने संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम-2026 का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर कहा कि आदिवासियों की संस्कृति में छत्तीसगढ़ की आत्मा बसती है। उन्होंने बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के जयघोष के साथ अपने उद्बोधन की शुरूआत की। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहाँ सरकार अपनी संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और प्राचीन विरासतों को संरक्षित करने के लिए बस्तर पंडुम जैसे आयोजन कर रही है। यह आयोजन आदिवासियों की गौरवशाली संस्कृति का जीवंत प्रतिबिंब है। जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित इस शुभारंभ समारोह में बड़ी संख्या में आदिवासी कलाकार और विशाल जनसमूह मौजूद रहा। सभी को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव सरकार छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनजातीय उत्थान के लिए निरंतर बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम जनमन, प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव उत्कर्ष अभियान तथा नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं के जरिए जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रपति ने बस्तर क्षेत्र में आदिवासी बालिकाओं की शिक्षा पर

विशेष जोर देते हुए कहा कि जनजातीय बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए शासन के साथ-साथ समाज और उनके माता-पिता को भी आगे आना होगा। उन्होंने बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्राचीन परंपराओं की जड़ें आज भी मजबूत हैं। बस्तर पंडुम जनजातीय समुदाय की पहचान, गौरव और समृद्ध परंपराओं को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। राष्ट्रपति ने बताया कि बस्तर पंडुम में 54 हजार से अधिक आदिवासी कलाकारों ने पंजीयन कराया है, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर माओवादी मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं, लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था बढ़ रही है। वर्षों से बंद विद्यालय पुनः खुल रहे हैं, दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में सड़कें और पुल-पुलियों का निर्माण हो रहा है तथा ग्रामीणजन विकास से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर की सुंदरता और संस्कृति सदैव लोगों के आकर्षण का केंद्र रही है, किंतु दुर्भाग्यवश चार दशकों तक यह क्षेत्र माओवाद से ग्रस्त रहा, जिससे यहां के निवासियों को अनेक कष्ट झेलने पड़े। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत सरकार की माओवादी आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वर्षों से व्याप्त भय, असुरक्षा और अविश्वास का वातावरण अब समाप्त हो रहा है। माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं और नागरिकों के जीवन में शांति लौट रही है। प्रदेश सरकार के प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग से आज बस्तर में विकास का नया सूर्योदय हो रहा है। गाँव-गाँव में बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँच रही हैं। वर्षों से बंद विद्यालयों में अब बच्चों की कक्षाएँ फिर से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह से अपनी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को सहेजने का आह्वान करते हुए बस्तर की जनजातीय परंपराओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बस्तर पंडुम जनजातीय लोक संस्कृति का उत्सव - राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल रमेन डेका शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर पंडुम कोई साधारण मेला नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय लोक संस्कृति का उत्सव है। यहाँ के लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक पहनावा, आभूषण, ढोल-नगाड़े और पारंपरिक व्यंजन मिलकर बस्तर की सुंदर तस्वीर दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि गौर नृत्य, परघौनी नृत्य तथा धुरवा, मुरिया, लेजा जैसे नृत्य बस्तर की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं।

राष्ट्रपति के समक्ष बास्तानार के युवाओं ने ह्यगौर नृत्य से बिखेरे अद्भुत लोक-रंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शनिवार का दिन बस्तर के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, जब संभाग स्तरीय ह्यबस्तर पण्डुम के शुभारंभ अवसर पर देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर की आदिम संस्कृति का सजीव और जीवंत स्वरूप प्रत्यक्ष रूप से देखा। इस गरिमामयी अवसर पर बास्तानार क्षेत्र के आदिवासी युवाओं द्वारा प्रस्तुत विश्व-प्रसिद्ध ह्यगौर नृत्य ने पूरे परिसर को ढोल की थाप और घुंघरुओं की झनकार से गुंजायमान कर दिया। राष्ट्रपति ने इस मनोहारी प्रस्तुति का तन्मयता से अवलोकन करते हुए बस्तर की

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को निकट से महसूस किया।

बास्तानार के युवाओं द्वारा प्रस्तुत यह नृत्य केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भर नहीं था, बल्कि ह्यदंडामी माड़िया (बाइसन हॉर्न माड़िया) जनजाति की परंपराओं, जीवन-दर्शन और सांस्कृतिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज था। जैसे ही नर्तक दल मंच पर उतरा, उनकी विशिष्ट वेशभूषा ने उपस्थित जनसमूह का ध्यान सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लिया। पुरुष नर्तकों के सिर पर सजे गौर के सींगों वाले मुकुट, जिन्हें कौड़ियों और मोरपंखों से अलंकृत किया गया था, बस्तर की वन्य संस्कृति तथा गौर पशु के प्रति आदिवासी समाज के गहरे सम्मान और श्रद्धा को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त कर रहे थे। वहीं पारंपरिक साड़ियों और आभूषणों से सुसज्जित महिला नर्तकियों ने जब अपने हाथों में थमी ह्यतिरूडुडी (लोहे की छड़ी) को भूमि पर पटकते हुए ताल दी, तो एक अद्भुत, गूंजती और लयबद्ध ध्वनि ने वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नृत्य के दौरान पुरुष नर्तकों ने गले में टंगे भारी ह्यमांदरी (ढोल) को बजाते हुए जंगली भैंसे की आक्रामक, चंचल और ऊजार्वान मुद्राओं की प्रभावशाली नकल प्रस्तुत की।

अबूझमाड़ का गौरव: मल्लखंब के नन्हे वीरों ने राष्ट्रपति के समक्ष दिखाई अद्भुत कला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल और लंबे समय तक संघर्षों के लिए पहचाने जाने वाले अबूझमाड़ ने शनिवार को अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम के शुभारंभ समारोह में अबूझमाड़ मल्लखंब एंड स्पोर्ट्स एकेडमी के नन्हे खिलाड़ियों ने देश की सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के समक्ष मल्लखंब की अद्भुत प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह पहला अवसर था जब अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों ने एक

साथ राष्ट्रपति के समक्ष मल्लखंब का जीवंत और साहसिक प्रदर्शन किया। लकड़ी के खंभे पर जब इन नन्हे कलाकारों ने असाधारण संतुलन, फुर्ती और कठिन करतबों का प्रदर्शन किया, तो मैदान में मौजूद दर्शक विस्मय से भर उठे। जोश, अनुशासन और उत्कृष्ट तकनीक से सजी इस प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वयं बच्चों की प्रतिभा से अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने न केवल उनके साहस, कला और अनुशासन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रदान कीं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की नींव नारायणपुर जिले के उन दुर्गम और बीहड़ इलाकों में पड़ी है, जहां आज भी बुनियादी सुविधाएं सीमित हैं। कुटूर, करपा और परपा जैसे सुदूर वनांचलों से निकलकर इन बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा न तो संसाधनों की मोहताज होती है और न ही भौगोलिक सीमाओं की। इस संघर्षपूर्ण यात्रा के प्रेरणास्त्रोत मनोज प्रसाद हैं, जो एकेडमी के संस्थापक होने के साथ-साथ 16वीं बटालियन में आरक्षक के रूप में अपनी सेवाएं भी दे रहे हैं।

जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का राष्ट्रपति ने किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बस्तर पंडुम के शुभारंभ समारोह में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज बस्तर की माटी की सुगंध और आदिम जनजातीय परंपराओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर वहां मौजूद स्थानीय निवासियों और कारीगरों से प्रदर्शित कलाओं एवं उत्पादों की विस्तृत जानकारी ली। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर पंडुम को

आदिवासी विरासत को संजोने और उसे पूरी दुनिया तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने एक-एक कर ढोकरा हस्तशिल्प कला, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस कला, लौह शिल्प, जनजातीय वेश-भूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, बस्तर की जनजातीय चित्रकला, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। बस्तर पंडुम आयोजन स्थल पर जनजातीय हस्तशिल्प आधारित प्रदर्शनी में ढोकरा कला से निर्मित सामग्रियों का विशेष प्रदर्शन किया गया। इस हस्तशिल्प में लॉस्ट वैक्स कास्टिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह भारत की प्राचीन जनजातीय धातु कला है, जिसमें प्रकृति, देवी-देवताओं और ग्रामीण जीवन की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ढोकरा की प्रत्येक कृति पूर्णतः हस्तनिर्मित होती है। इसके निर्माण में समाड़ी मिट्टी, मोम वैक्स, तार, पीतल, गरम भट्टी एवं सफाई मशीन का उपयोग किया जाता है। स्थानीय टेराकोटा कला को दशार्ती मिट्टी से बनी आकृतियों का भी प्रदर्शन किया गया, जो लोक आस्था, ग्रामीण जीवन और पारंपरिक विश्वासों को सजीव रूप में प्रस्तुत करती हैं। प्रदर्शनी में लकड़ी की नक्काशी कला के माध्यम से सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति देखने को मिली।

रेरा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में छत्तीसगढ़ रेरा का महत्वपूर्ण कदम, 14 बैंकों को फाइनल एम्पैनलमेंट किया गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण ने राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन तथा रियल एस्टेट अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 बैंकों को अंतिम पैनल (फाइनल एम्पैनलमेंट) में शामिल किया है। रेरा अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ रेरा द्वारा 03 अप्रैल 2025 को 17 बैंकों को अस्थायी पैनल (प्रोविजनल एम्पैनलमेंट)

में शामिल किया गया था। निर्धारित प्रक्रियाओं, आवश्यक शर्तों एवं मापदंडों की पूर्ति के उपरांत अब इनमें से 14 बैंकों को अंतिम पैनल में सम्मिलित किया गया है। अंतिम पैनल में शामिल बैंकों में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, केनरा बैंक, डीसीबी बैंक, फेडरल बैंक, इंडियन बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, कर्नाटक बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तथा यूको बैंक शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रेरा अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत रियल एस्टेट परियोजनाओं से संबंधित पृथक रेरा खाते केवल उन्हीं बैंकों में संचालित किए जाएं, जो रेरा नियमों एवं दिशा-निदेर्शों का पूर्णतः पालन करते हों।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ की निविदा को मंजूरी, 10 सड़कों के लिए 116 करोड़ स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ रुपए के निविदा को मंजूरी दी गई है। वहीं 10 सड़कों के निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निविदा मंजूरी तथा प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश भी जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

सड़कों के नेटवर्क को मजबूत करने तथा छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निर्माण कार्यों एवं निविदाओं को स्वीकृति दी जा रही हैं। कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालयों के साथ ही प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सीधे मॉनिटरिंग की जाएगी। कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए आम नागरिक भी निर्माण के दौरान कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। लोक निर्माण विभाग द्वारा रायपुर जिले में साढ़े 5 किमी लंबाई के फरफौदा-गुखेरा मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूीकरण के लिए पुल-पुलिया निर्माण सहित 11 करोड़ चार लाख रुपए तथा साढ़े 5 किमी लंबाई के चंदखुरी-जावा-मोंहदी मार्ग में पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ 34 लाख रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में हथबंद से सिमगा मार्ग में मुंबई-हावड़ा रेलवे लाइन पर रिंगनी लेवल क्रासिंग पर रेलवे ओव्हर ब्रिज के निर्माण के लिए 40 करोड़ 72 लाख रुपए तथा 2.84 किमी लंबाई के ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक तक टू-लेन सी.सी. मार्ग के निर्माण के लिए 25 करोड़ 98 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। विभाग द्वारा नारायणपुर जिले के पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग में किमी 13 से किमी 22 तक 10 किमी लंबाई में तथा किमी 23 से किमी 31 तक 9 किमी लंबाई में सीमेंट-कांक्रीट सड़क व पुलिया मजबूतीकरण के लिए क्रमशः 28 करोड़ 2 लाख रुपए तथा 26 करोड़ रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। नवा रायपुर के सेक्टर-18 में निमार्णाधीन लोकभवन (राजभवन), लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों के निवास, मुख्यमंत्री निवास, मंत्रीगणों के निवास एवं

अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निवास के शेष कार्यों, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, एकॉस्टिक, पेनेलिंग वर्क एवं विद्युतीकरण कार्यों के लिए 71 करोड़ 23 लाख रुपए तथा सेक्टर-19 में माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण के लिए 36 करोड़ 30 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। विभाग ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में बेला उदगी से बनसुकली मार्ग पर बनास नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 10 करोड़ 18 लाख रुपए, जशपुर में जशपुर-सन्ना मार्ग पर घेरड़ेवा नाला पर उच्च स्तरीय पुल व पहुंच मार्ग के लिए 7 करोड़ 27 लाख रुपए, बलरामपुर-रामानुजगंज के नरसिंहपुर से मरकाडांड मार्ग पर महान नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 9 करोड़ 88 लाख रुपए, धमतरी जिले में राजनांदगांव-गुण्डरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई (रा.मा.क्र.-23) के किमी 88/2 से किमी 107/2 तक 20 किमी लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण के लिए 11 करोड़ 82 लाख रुपए तथा महासमुंद में ग्राम सिरबोड़ा से पलसापाली के मध्य पलसापी नाला (सुरंगी नाला) पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 96 लाख रुपए के निविदा को मंजूरी प्रदान की है।

लोक निर्माण विभाग ने वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल धमतरी जिले के दुधावा-मुरूमसिल्ली-बनरौद मार्ग के किमी 30/6 से किमी 44/2 तक 13.80 किमी लंबाई के मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण के लिए 21 करोड़ 79 लाख रुपए, नगरी-दुधावा-नगरी-बासीन (राज्य मार्ग क्रं.-6) के किमी 47 से किमी 55 तक 8 किमी लंबाई के उन्नयन एवं मजबूतीकरण के लिए 19 करोड़ 40 लाख रुपए तथा लोक निर्माण विभाग के कुरूद उपसंभाग में 5 किमी लंबाई के पचपेड़ी-तरागोंदी-भेलवाकुदा-टिपानी-सेमरा (बी) टू-लेन मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूीकरण के लिए 15 करोड़ 34 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले के गैंदाटोला-छुरिया-खोभा मार्ग के किमी 17 से किमी 21 तक 5.025 किमी लंबाई के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 6 करोड़ 96 लाख रुपए, कोण्डागांव जिले में कोण्डागांव-अमरावती-एरला राज्य मार्ग के किमी 32 से किमी 41/2-4 तक 8.7 किमी में मजबूतीकरण व पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण के लिए 7 करोड़ 15 लाख रुपए तथा कांकेर के राजनांदगांव-बैलाडीला मार्ग के किमी 145/10 (मेढ़की) निब्रा नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 12 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। लोक निर्माण विभाग ने बिलासपुर जिले में 8.675 किमी लंबाई के केनसरी से मुकुंदपुर पहुंच मार्ग के लिए 19 करोड़ 5 लाख रुपए, जशपुर में भेलवा से खाडुंग नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 4 करोड़ 80 लाख रुपए, कांकेर के इच्छापुर-घोटिया मार्ग पर दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए 6 करोड़ 53 लाख रुपए तथा बलरामपुर-रामानुजगंज में साढ़े 3 किमी लंबाई के राजपुर-कुसमी मुख्य मार्ग से खरकोना होते हुए अमेरा मार्ग के लिए 9 करोड़ 30 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

सभी स्वीकृत पीएम आवासों को 31 मार्च तक करें पूर्ण : जयवर्धन

आवास चौपाल आयोजित करने एवं फील्ड विजिट करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा पीएम आवास योजना ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2024-26 में आवास पूर्णता के लिए लंबित आवासों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिले में वित्त वर्ष 2024-26 के 11415 कार्य पूर्ण करने हेतु लंबित है। धीमी प्रगति वाले जनपद पंचायत एवं संबंधित तकनीकी सहायक से प्रगति नहीं आने के कारण को जाना गया। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि आवास निर्माण के लिए अभी सबसे उत्तम समय है, सभी हितग्राहियों से संपर्क करते हुए आवासों को 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए। आवास चौपाल आयोजित करने के साथ साथ निरन्तर फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। विगत दो वर्षों के 67.20 प्रतिशत कार्य करा लिए गये है, साथ ही विगत 10 माह से जिला सूरजपुर ने 18340 आवास पूर्ण किए है। लंबित बचे सभी आवास समयसीमा में पूर्ण हो, इसकी कार्ययोजना तैयार कर सतत निगरानी जरूरी। समस्त अमले को निर्देश मिले है कौन मिस्त्री किसका आवास बना रहा है इसकी जानकारी तैयार की जाए एवं उनसे सीधे बात कर कार्य में प्रगति लाई जाए। हितग्राहियों को सामग्री एवं मिस्त्री की उपलब्धता में किसी भी प्रकार से कमी ना हो, यह सुनिश्चित किए जाएं।योजना के अन्य पैरामीटरो में भी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कुल 633 कार्यों में से अब तक 300 कार्य पूर्ण हुए है इन सभी कामों को भी 15 मार्च तक पूर्ण करने का टारगेट रखा गया है। हितग्राहियों को आवास निर्माण के साथ साथ मनरेगा से मिलने वाली 90 मानव दिवस की राशि को भी समय पर जारी हो सुनिश्चित करने के निर्देश मिले है। आगामी वित्तीय वर्ष में मनरेगा अपने नए नियम एवं शर्तों के साथ क्रियान्वित होगा। अत: जितने भी कार्य स्वीकृत है, उन्हें पूर्ण करते हुए तत्काल मनरेगा से मिलने वाली पूरी राशि देने के निर्देश मिले है ताकि कोई भी हितग्राही मनरेगा राशि पाने से वंचित ना रह जाए। इसी प्रकार पीएम आवास से मिलने वाली 1.20 लाख भी तत्काल दिए जाए। आवास एवं नरेगा टीम इसकी लगातार मोनिटरिंग करें। विशेष परियोजना के 5 कार्यों को भी समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निर्देशित किया गया है। आवास निर्माण के लिए अधिक लंबित ग्राम पंचायतों में आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण देने के संबंध में चर्चा हुई। अब तक 105 प्रशिक्षणार्थियों की प्रशिक्षण पूर्ण हो गई है। बिहान योजना से पीएम आवास हितग्राहियों को लोन के माध्यम से आवश्यक सहयोग कर आवास निर्माण के तेजी लाने के विषय पर भी प्रकाश डाला गया। अब तक 2.99 करोड़ हितग्राहियों को प्रदाय किया गया है। जिससे निर्माण में तेजी तथा थोड़ा बड़ा आवास बनाने की चिंता दूर हुई है। इसके अतिरिक्त समस्त टीम को आगाह किया है कि पीएम आवास के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता मिलती है तो ठोस कार्यवाही की जाएगी। कोई भी आवास सरकारी जमीन कब्जा करने की दृष्टि से ना बने। अन्यथा आवास टूटने के साथ साथ टैगिंग करने एवं निर्माण के लिए राशि देने वाले पर भी कड़ी कार्यवाही होगी। हितग्राहियों के समस्या के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 18002331290 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 9244049285 संचालित है।

समीक्षा बैठक में जिला समन्वयक आवास, एपीओ नरेगा, जिला समन्वयक एसबीएम, सर्व सीईओ जनपद पंचायत, एसडीओ, आवास समन्वयक, पीओ, बीसी आवास, बीपीएम, तकनीकी सहायक, उपभियंता, ऑपरेटर्स एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

गैर इरादतन हत्या के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दी 10 वर्ष की सजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गैर इरादतन हत्या के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दी 10 वर्ष की सजा सुनाई है। 20 जनवरी 23 को यहां के कालेज रोड़ निवासी बबिता ने थाना सूरजपुर में सूचना दिया कि सुबह धनरासो उर्फ निशा सिंह के घर सुपा मांगने गई थी घर के बाहर से उसे आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला तब यह घर अंदर जाकर देखी तो धनरासो किचन कमरे में कंबल से ढकी हुई थी कंबल को हटाकर देखी तो वह मृत पड़ी थी मृतिका का पति रामरतन देवांगन घर में नहीं था।

सूचना पर मर्ग कायमी उपरांत धारा 302 का पंजीबद्व किया गया एवं आरोपी रामरतन देवांगन पिता सुखल राम उम्र 30 वर्ष ग्राम सुरता, छातापारा, रामानुजनगर को गिरफ्तार किया गया। मामले के विवेचक एसआई दिनेश राजवाड़े द्वारा प्रकरण में साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी न्यायालय में पेश किया। मामले की सुनवाई न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह अपर सत्र न्यायाधीश के यहां हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर निर्णय 31 जनवरी में समग्र तथ्यों एवं मृतिका को कारित चोटों की प्रकृति के आधार पर धारा 302 भा.दं.सं. के स्थान पर भा.दं.सं. की धारा 304 के प्रथम भाग के आरोप अर्थात गैर इरादतन हत्या का दोषी पाते हुए दोषसिद्ध होने से आरोपी रामरतन देवांगन को 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 सौ रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

छात्राओं ने राज्य स्तरीय रा.से.यो. शिविर में विश्वविद्यालय का किया प्रतिनिधित्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्रायें उपासना गोयन और बिमला पैकरा ने छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय विशेष सात दिवसीय आवासीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर , बलौदा बाजार - भाटापारा में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा का प्रतिनिधित्व किया। इस शिविर में छत्तीसगढ़ के सभी विश्वविद्यालय से स्वयं सेवकों ने भाग लिया , जिसमे समाज सेवा तथा शिविरार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर में आयोजित रुमाल झपट्टा प्रतियोगिता में द्वितीय एवं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले एवं विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य बृजलाल साहू तथा एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी पूजांजली भगत द्वारा विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दिया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव के आयोजन की शुरूआत प्राचार्य बृजलाल साहू द्वारा रिबन काटकर किया गया। प्राचार्य द्वारा अपने संबोधन में विद्यार्थियों को कहा गया कि खेलकूद न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है वरन् मानसिक विकास, अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करता है। साथ ही स्वामी विवेकानंद के विचारों के द्वारा प्रतिभागियों को प्रेरित किया। खेलोत्सव में बैडमिंटन, चेस, खो - खो, क्रिकेट, एथलेटिक्स आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के क्रीड़ा सहायक संगीता सिंह तथा समस्त स्टाफ का सक्रिय सहयोग रहा।

जिला स्तरी सरगुजा ओलंपिक हेतु नोडल व सब नोडल नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में 12 खेल विधाओं में जिला स्तरी सरगुजा ओलंपिक का आयोजन 11, 12 एवं13 फरवरी को किया गया है। आयोजन के सफल संचालन एवं क्रियांन्वयन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले को नोडल अधिकारी एवं खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही अन्य विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम के रूपरेखा के अनुरूप दायित्व सौंपा गया हैं।

कलेक्टर ने बैठक लेकर की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

बोले- स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं का करें प्रभावी क्रियान्वयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन के अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास की समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित गई। जिसमें संचालित प्रमुख शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा सेवा प्रदाय तंत्र के समग्र प्रगति की गहन समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवास के निर्माण की प्रगति एवं भुगतान की स्थिति पर सतत निगरानी करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए। इसके साथ ही उन्होने लक्ष्य के अनुरूप निर्धारित समय सीमा पर आवास पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने निर्माणाधीन आवासों के लिए 31 मार्च तक का समय देते हुए सभी संबंधितो को निर्देशित किया है कि नियमित मॉनिटरिंग और भौतिक परीक्षण कर लक्ष्य को प्राप्त करें। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत प्रबंधन तथा स्वच्छता व्यवहार गतिविधियों पर उन्होने विस्तृत चर्चा की। स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ करने को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार लाना व स्वच्छता के प्रति ग्राम वासियों को प्रेरित करने पर विशेष बल देने की बात कही गई। बैठक में जिले में स्थापित प्लास्टिक प्रबंधन ईकाई सूचारू संचालन को लेकर विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मल्टीलेयर प्लास्टिक के नियमित संग्रहण हेतु सभी संबधित आवश्यक कार्यवाही करे। जिससे की प्लास्टिक कचड़े का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण एवं प्रसंस्करण कर जिले को स्वच्छ बनाया जा सकें। बैठक में वीबी जी राम जी के प्रमुख प्रावधानों, उद्देश्यों एवं समेकित कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई। जी राम जी अधिनियम 2025 से आमजन परिचित हो इसके लिए उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर वृहत स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ग्राम सभा, आवास दिवस व रोजगार दिवस पर वीबी जी राम जी का प्रचार प्रसार योजनाबद्ध तरीके से बात कही गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेद्र सिंह पाटले, सर्व जनपद सीईओ व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुशासन की दस्तक

सुकमा, छ.ग. फ्रंटलाइन। गुरुवार को कलेक्टर अमित कुमार एवं पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने विकासखंड कोंटा के दूरस्थ ग्राम पिड़मेल, भेज्जी एवं डब्बाकोंटा का दौरा कर शासकीय संस्थानों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि दूरस्थ क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी रूप से पहुंचे।स्वास्थ्य, शिक्षा और पीडीएस व्यवस्था की हुई गहन जांच निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्राम पिड़मेल में उप स्वास्थ्य केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवन एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। प्राथमिक शाला में बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली तथा शिक्षकों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।वहीं ग्राम डब्बाकोंटा में उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उपचाररत मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता एवं चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। ग्रामीणों से संवाद, योजनाओं की जानकारी और बस का औचक निरीक्षणनिरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने ग्रामीणों से सीधे चर्चा कर प्रधानमंत्री आवास योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, महतारी वंदन योजना सहित शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव भी अधिकारियों के समक्ष रखे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल

अनुलग्नक–अ

कार्य का विवरणः– बिलासपुर मंडल के नैला एवं अंबिकापुर स्टेशनों में तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु PMBJK- प्रधानमंत्री भारतीय जनौषधि केन्द्र" निविदा हेतु लाइसेंस आबंटन के लिये ई–नीलामी आमंत्रित की गई है।

कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर दिनांक 29–01–2026 को प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार हैः–

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PMBJK-NIA-ABKP	PMBJK-Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Kendras	16-02-2026 12:00:00	PMBJK-BSP-NIA-PMBJK-1-25-1 PMBJK-BSP-ABKP-PMBJK-5-26-1	03 वर्ष की अवधि के लिये नैला स्टेशन में PMBJK- प्रधानमंत्री भारतीय जनौषधि केन्द्र" के संचालन एवं रख–रखाव हेतु लाइसेंस । 03 वर्ष की अवधि के लिये अंबिकापुर स्टेशन में PMBJK- प्रधानमंत्री भारतीय जनौषधि केन्द्र" के संचालन एवं रख–रखाव हेतु लाइसेंस ।	1096 दिनों

सीपीआर/10/FL/659 — सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग), द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय कलेक्टर जिला बलरामपुर–रामानुजगंज, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप सचिव, छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

बलरामपुर–रामानुजगंज, दिनांक 24 नवम्बर 2025

क्रमांक/9042/अ–82/2024–25 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अतःभूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम,2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम,2013 कहा जावेगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन एतदद्वारा अनुसूची के खाने(6) में उल्लेखित प्राधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है

अनुसूची

भूमि का वर्णन					धारा 12 के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/प. ह.नं.	खसरा नं.	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
1	2	3		4	5	6
बलरामपुर–रामनुजगंज	शंकरगढ़	खैराडीह/ जारगीम प.ह.न.–12	28	5.093	अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू–अर्जन अधिकारी शंकरगढ़	खैराडीह/ जारगीम व्यपवर्तन योजना

2. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति अस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्ता लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सार्वजनिक समाधान निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वंय अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रस्तुत कर सकेगा।

3.भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शंकरगढ,जिला बलरामपुर–रामानुजगंज के कार्यालय में किया जा सकता है।

4. प्रस्तावित भू–अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवारों का विस्थापन निहित नहीं है।

5. प्रस्तावित प्रयोजन के लिए भूमि अर्जन को छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिसूचना क्रमांक/एफ–4/28/सात–1/2014 दिनांक 02 मार्च 2015 के द्वारा अधिनियम 2013 के अध्याय "दो" एवं "तीन" के प्रावधानों से छूट प्रदान की गई है।

6. प्रस्तावित भू–अर्जन के लिए अधिसूचना 2013 की धारा 43 के तहत् अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शंकरगढ़,जिला बलरामपुर–रामनुजगंज छ.ग. को पुर्नवास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(अनमोल विवेक टोप्पो)
भू–अर्जन अधिकारी शंकरगढ़
जिला बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

(राजेन्द्र कटारा)
कलेक्टर
एवं पदेन उप सचिव, छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)

जी–252606515/1

कार्यालय कृषि यंत्री, (बिलासपुर/सरगुजा–संभाग), नूतन चौक, इंदिरा विहार (SECL) कॉलोनी के सामने सरकंडा, बिलासपुर (छ.ग.) पिन नं. 495006

Email :- aebilaspur@gmail.com Telephone No. :-07752-405087

सूचना

सर्व कृषकगणों को सूचित किया जाता है कि केन्द्र पोषित कृषि यॉत्रिकीकरण सबमिशन योजनान्तर्गत (घटक क्रमांक–2) कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना करने हेतु कृषि यंत्रों की खरीदी पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन अपने जिले के कार्यालय उपसंचालक कृषि एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के माध्यम से कर सकते है। आवेदन पत्र सीधे कार्यालय कृषि यंत्री, बिलासपुर नूतन चौक सरकण्डा, पिनः–495001 को भी प्रेषित किया जा सकता है। आवेदन पत्र एवं अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन संपर्क नं.:–07752–405087 में कॉल करें। आपके जिले के लिए लक्ष्य निम्नानुसार है :–

क्र.	जिले का नाम	मद	भौतिक लक्ष्य: केन्द्र स्थापना हेतु लागत राशि रू 15.00 लाख पर अनुदान राशि रू. 06.00 लाख	भौतिक लक्ष्य: केन्द्र स्थापना हेतु लागत राशि रू 35.00 लाख पर अनुदान राशि रू. 14.00 लाख	रिमार्क
1	सूरजपुर	41	–	1	अनुसूचित जनजाति के कृषकों हेतु
2	कोरिया	13	1	–	सामान्य अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग के कृषकों हेतु
		41	1	–	अनुसूचित जनजाति के कृषकों हेतु
3	मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर	13	1	–	सामान्य अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग के कृषकों हेतु
		41	–	1	अनुसूचित जनजाति के कृषकों हेतु

कृषि यंत्री
(बिलासपुर/सरगुजा–संभाग)
बिलासपुर (छ.ग.)

जी–252606507/1

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाना जीवन का सुरक्षा कवच है: स्वास्थ्य मंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिला पुलिस एमसीबी के तत्वावधान में 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का जिला स्तरीय समापन समारोह शनिवार को मनेंद्रगढ़ विधायक व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में नगर पंचायत झगराखाण्ड के अंबेडकर भवन में जागरूकता, सहभागिता और संकल्प के माहौल में आयोजित किया गया। यह अभियान 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक पूरे जिले में संचालित रहा। कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्यामबिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम में जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह के दौरान चलाए गए अभियानों, जांच कार्यवाहियों और जनजागरूकता गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। विभिन्न पोस्टर, प्रदर्शनी और संदेश सामग्री के माध्यम से भी यातायात नियमों का महत्व समझाया गया।

मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल सरकारी आंकड़े नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे परिवारों का दर्द, बच्चों का भविष्य और घरों की खुशियां जुड़ी होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़क पर लापरवाही का एक क्षण पूरे जीवन पर भारी पड़ सकता है, इसलिए यातायात नियमों का पालन किसी दंड के भय से नहीं बल्कि जीवन की रक्षा के संकल्प से होना चाहिए। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेज रफ्तार, स्टंट और बिना सुरक्षा साधनों के वाहन चलाना साहस नहीं, बल्कि गंभीर जोखिम है। हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा का पालन जीवन की सुरक्षा कवच है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा सीधे स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ा विषय है दुर्घटना के बाद इलाज जरूरी है, लेकिन दुर्घटना की रोकथाम उससे भी बड़ा और सस्ता इलाज है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन न सौंपें और स्वयं भी नियमों का पालन कर उदाहरण प्रस्तुत करें। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग और प्रशासन द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही सड़क सुरक्षा अभियान स्थायी परिणाम देता है। पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिलेभर में व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। जिले के 117 स्कूलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 4 हजार से अधिक बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। रक्तदान शिविरों का आयोजन मनेन्द्रगढ़ और चिरमिरी में किया गया। वाहनों की सघन जांच, फिटनेस परीक्षण और हेलमेट वितरण अभियान चलाया गया।

140 ऑटो और टैक्सी वाहनों का सत्यापन किया गया । 119 जनजागरूकता अभियान विभिन्न क्षेत्रों में संचालित हुए। चालानी कार्रवाई के अंतर्गत 544 प्रकरण दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि निरंतर जागरूकता और संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 50 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई है, जो पुलिस और जनता के सहयोग का सकारात्मक संकेत है। एसपी रत्ना सिंह ने भावुक स्वर में कहा कि दैनिक दुर्घटना रिपोर्ट देखना पीड़ादायक होता है क्योंकि अधिकांश हादसे नियमों की अनदेखी से होते हैं। उन्होंने बच्चों से की गई अपनी अपील का भी उल्लेख किया कि यदि घर का कोई सदस्य बिना हेलमेट वाहन लेकर निकले तो उसे रोकें और टोकें।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव एनईएस पीजी कॉलेज में सीएसपीडीसीएल का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा शासकीय राम भजन राय एनईएस पीजी कॉलेज, जशपुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएसपीडीसीएल की 25 वर्षों की उपलब्धियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मोर बिजली ऐप एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने हेतु नारा लेखन, पेंटिंग, रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष अरविंद भगत एवं उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमरेंद्र उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में अरविंद भगत ने सीएसपीडीसीएल द्वारा प्रदत्त सेवाओं की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से ऊर्जा संरक्षण अपनाने तथा जिम्मेदार उपभोक्ता बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सीएसपीडीसीएल के यतीन्द्र गुप्ता द्वारा बिजली के सदुपयोग एवं व्यवस्था सुधार पर आधारित प्रेरणादायक गीत की प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी के विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन दौलत राम चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सत्यप्रकाश कुमार, कार्यपालन अभियंता विनोद पंडित, सहायक अभियंता लुकमान खान तथा कनिष्ठ अभियंता दिनेश त्रिपाठी सहित सीएसपीडीसीएल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रक की ठोकर से विद्युत पोल हुआ क्षतिग्रस्त, 1.85 लाख की पहुंची क्षति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बिजली के पोल को ठोकर मार दिया, जिससे पोल व केबल क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं बिजली व्यवस्था चरमरा गई। घटना में सीएसपीडीसीएल को एक लाख 85 हजार रुपये से अधिक की क्षति पहुंची है। घटना सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम उमापुर-पंडरीपानी रोड की है। कनिष्ठ यंत्री की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। सीएसपीडीसीएल देवनगर विद्युत वितरण केंद्र में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता आशीष कुमार लाठिया पिता प्रहलाद प्रसाद लाठिया 31 वर्ष ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 05 फरवरी को अपरान्ह करीब 03 बजे फोन से उन्हें सूचना मिली कि ग्राम उमापुर पण्डरीपानी में 02 नग निम्न दाब के पोल एवं 400 मीटर एबी केबल को माजदा ट्रक क्रमांक सीजी 29 एडी 7168 का चालक तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया है। सूचना मिलने पर जब वे मौके पर गए तो 02 निम्न दाब पोल एवं 400 मीटर एबी केबल पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो गया था। ट्रक को प्रताप कुमार पिता विश्वनाथ निवासी ग्राम उमेश्वरपुर, थाना प्रेमनगर चला रहा था। बिजली पोल को ठोकर मारने के बाद आसपास के इलाके में विद्युत प्रवाह बंद हो गया।

स्थानीय प्रेस पत्रकार संघ का गठन सोनहत में संपन्न हुई

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड सोनहत में सात फरवरी को प्रेस क्लब का गठन संपन्न हुई यह बैठक विजय श्री लाज में आहुत की गई थी जिसमें स्थानीय प्रेस क्लब के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं गठन हेतु सहमति प्रदान की जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए विजय साहू एवं उपाध्यक्ष पद हेतु सतीश पटेल को चूना गया एवं संरक्षक विजय गुरूजी सचिव संतोष साहू कोषाध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह सह सचिव निलेश सोनी को चुना गया चुनाव पश्चात स्थानीय एवं दुर दराज क्षेत्रों से जुड़े समस्याओं को निदान हेतु सार्थक प्रयास की जायेगी वनांचल क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का त्वरित निदान संघ के द्वारा की जायेगी माह के आखिरी शनिवार को स्थानीय प्रेस क्लब की बैठक समीक्षा किया जाना प्रस्तावित है प्रेस क्लब पत्रकारों संपादकों मीडिया कर्मियों का एक पंजीकृत गैर लाभकारी संगठन है जो पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए की जाती है पत्रकारों की समस्याओं जैसे असुरक्षा और आर्थिक दिक्कतें को सुलझाना एवं पेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना प्रेस क्लब का संचालन एक कार्यकारणी समिति द्वारा किया जाता है जिसमें अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव संरक्षण जैसे पदों के लिए पत्रकारों द्वारा चुने गए सदस्य होते हैं यह संघ मीडिया कर्मियों के लिए कार्य शालाऐ प्रेस कॉन्फ्रेंस और मीटिंग जैसे काम करती है प्रेस क्लब मीडिया कर्मियों और मीडिया में रूचि रखने वाले को एक मंच प्रदान करता है उनके पेशे के कल्याण और बेहतरी के लिए काम करता है।

आत्मानंद स्कूल मनेंद्रगढ़ में परीक्षा पे चर्चा का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में छात्र-छात्राओं को परीक्षा के तनाव से मुक्त करने हेतु प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का नौवां संस्करण हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने परीक्षा से जुड़ी चिंताओं एवं समस्याओं को सुना तथा उनके समाधान भी बताए। परीक्षा पे चर्चा भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करना तथा परीक्षाओं के प्रति सकारात्मक और तनावमुक्त दृष्टिकोण विकसित करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को प्रधानमंत्री से सीधे जुड़ने और अपनी शंकाएँ साझा करने का सशक्त मंच प्रदान करता है।

परीक्षा को बोझ नहीं, उत्सव समझें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा को बोझ की तरह नहीं, बल्कि उत्सव के रूप में देखें। बातचीत के दौरान उन्होंने सफलता के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स भी साझा किए-डायरी लेखन- रात को सोते समय अगले दिन के कार्य डायरी में लिखें और अगले दिन उनकी समीक्षा करें। सामूहिक अध्ययन से कमजोर विद्यार्थियों की मदद करें और होशियार साथियों से अपनी शंकाएं दूर करें, इससे ज्ञान स्थायी होता है। जीवन शैली से परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन, तनाव कम करने की तकनीक और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। छात्र-केंद्रित शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा, एपीसी सूर्योदय सिंह, एडीपीओ गणेश यादव सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षा प्रणाली को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐसा मंच है, जहाँ हम अपने युवाओं से सीधे जुड़ सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सुझावों को विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक आत्मसात करेंगे, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

कार्यालयीन समय में अस्पताल में उपस्थित रहें चिकित्सक, मरीजों को समस्या होने पर होगी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यक्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें और समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि शासकीय चिकित्सक कार्यालयीन समय में चिकित्सालय में उपस्थित रहें, मरीजों को समस्या ना हो। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित पर आवश्यक कार्रवाई होगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित करते हुए लगातार मॉनिटरिंग कर आदेश का पालन ना करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। सभी केंद्रों में आधार बेस्ड उपस्थिति का अनिवार्य रूप से पालन हो। इस दौरान आयुष विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कलेक्टर ने जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली और आगामी दिनों में जिले में फाइलेरिया उन्मूलन हेतु फाइलेरिया मुक्ति अभियान अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्षित जनसमूह को दवा खिलाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

इस दौरान वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि 10 से 25 फरवरी तक लोगों को दवा खिलाया जाना है। कॉलेजों एवं शैक्षणिक संस्थानों में बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जाएगा। 13 से 22 फरवरी गृह भेंट के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर दवा सेवन कराया जाएगा। 23 से 25 फरवरी तक मॉप-अप राउंड में छूटे हुए लाभार्थियों को दवा खिलाई जाएगी। कलेक्टर ने इस हेतु व्यापक जनजागरूकता फैलाने निर्देशित किया। वहीं कलेक्टरेट में जनदर्शन में आने वालों हेतु भी बूथ लगाकर दवा खिलाने कहा। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसंबंधित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जाए, गृह प्रसव को शून्य करना हमारा लक्ष्य है। इस हेतु मितानिन की महत्वपूर्ण भूमिका है, लगातार गृह भेंट कर मॉनिटरिंग किए जाएं। उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं की विशेष निगरानी एवं सुरक्षित प्रसव कराने के निर्देश दिए। सामान्य गर्भवती महिला का प्रसव संस्था में एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को उच्च अस्पताल रिफर किए करने कहा। गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार उपलब्ध कराना, गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों, टीकाकरण आदि सुनिश्चित करने कहा।

स्वास्थ्य विभाग की रीढ़, लेकिन समय पर नहीं मिलता मानदेय और प्रोत्साहन राशि

अंबिकापुर। स्वस्थ्य पंचायत सम्मेलन के तहत जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन मितानिनों ने शनिवार को किया और जनपद पंचायत कार्यालय अंबिकापुर के प्रांगण से वृहद रैली निकाली। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए निकली, इस दौरान इन्होंने अल्प मानदेय होने के बाद भी समय पर नहीं मिलने वाली राशि के दर्द को भी सामने लाया। इनका कहना था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में गांव-गांव तक शासन के योजनाओं को पहुंचाने में उनकी भूमिका अहम है, इसके बाद भी उनकी अनदेखी की जाती है। उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक शासन-प्रशासन स्तर पर विचार नहीं किया जाता है। बता दें कि स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन, जन संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पोषण समिति का गठन किया गया है। इसमें गांव में जिन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता है।

कलेक्टर का सख्त निर्देश कांसाबेल में नहर में घर का गंदा पानी बहाने पर लगेगा जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में सिंचाई सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं जल संरक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय तथा कलेक्टर रोहित व्यास ने विगत दिवस कांसाबेल क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत एनीकट एवं नहर परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांसाबेल में नहर में गंदगी फैलाने, घरेलू अपशिष्ट जल प्रवाहित करने या अवैध अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण की शुरुआत मैनी नदी की सहायक घुघरी नदी पर निर्माणाधीन महादेव मुड़ा एनीकट से की गई। यह एक लिफ्ट इरीगेशन आधारित सिंचाई परियोजना है, जिसकी लंबाई 55 मीटर एवं ऊंचाई 2.5 मीटर है। इसमें 4 गेट लगेंगे। लगभग 5 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह एनीकट मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार वर्ष 2023 में स्वीकृत किया गया था। एनीकेट का कार्य तेजी से जारी है। अधिकारियों ने बताया कि एनीकट में पंप लगाकर किसान अपने खेतों तक सीधे पानी ले जा सकेंगे, जिससे महादेव मुड़ा सहित आसपास के गांवों में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी। इससे खेती को लाभ होगा, साथ ही पशु-पक्षियों के लिए भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध रहेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष और कलेक्टर ने कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात साजापानी डैम से आने वाले पानी की बेहतर सिंचाई एवं निस्तारी सुविधा के लिए कुदराझरिया एनीकट का निरीक्षण किया गया। पुराने एनीकट का जीर्णोद्धार कर इसकी ऊंचाई बढ़ाकर कुल 3 मीटर की गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष और कलेक्टर ने एनीकट के आसपास सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की और आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कुदराझरिया एनीकट से निकलने वाली लगभग 11 किलोमीटर लंबी पक्की नहर है, जो कांसाबेल होते हुए टेल एरिया टांगरगांव में मैनी नदी तक जाती है।

जिला पंचायत अध्यक्ष और कलेक्टर ने कांसाबेल में नहर लाइनिंग के प्रगतिरत कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों का जायजा लेते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री व्यास ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नहर के पानी को प्रभावित करने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नहर में घरेलू गंदा पानी प्रवाहित करने, कचरा फेंकने वालों पर ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर जुर्माना लगाने और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नहर किनारे शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर नहर को दूषित करने वालों के विरुद्ध भी कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सभाओं के माध्यम से लोगों को समझाइश देने पर भी बल दिया, ताकि सिंचाई परियोजनाओं का लाभ दीर्घकाल तक मिल सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों एवं पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके संरक्षण में जनभागीदारी अनिवार्य है।

जिला पंचायत अध्यक्ष और कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कांसाबेल में सड़क किनारे स्थित संतोषी तालाब का भी अवलोकन किया। उन्होंने तालाब की सुंदरता बरकरार रखने किए जा सकने वाले आवश्यक सौंदर्यीकरण कार्यों की विस्तृत चर्चा की। तालाब में नहर के माध्यम से पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के मानसिक विकास और परीक्षा तनाव को दूर करने के उद्देश्य से 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई एक प्रेरणादायक पहल है, जिसमें विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़े तनाव, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने जाना कि परीक्षा जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रधानमंत्री के संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखने, नियमित अध्ययन करने और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की प्रेरणा मिली।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने इस पहल को छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने परीक्षा को तनावमुक्त होकर देने का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा